

नहीं रुक रहा डग्गामार वाहनोंका संचालन, अधिकारी बेपरवाह

विद्यावाहिनी बस अड्डाके पास प्राइवेट वाहनोंका कब्जा विभागको प्रतिदिन हो रहा लाखोंका नुकसान

महात्मा गांधी मार्ग स्थित विद्यावाहिनी बस अड्डे के सामने चल रहे अवैध डगामार वाहनों के संचालन ने परिवहन विभाग की कमर तोड़ दी है। मुख्य बस अड्डे से महज २० से २५ मीटर की दूरी पर अवैध रूप से संचालित हो रही करीब ६० से ७० छोटी चारपहिया गाड़ियों और दर्जनों सामान्य एवं एसी बसोंके बेरोकटोक संचालन से रोडवेज के राजस्व को हर दिन लाखों का नुकसान पहुंच रहा है। सरेआम चल रहे इस अवैध सिंडिकेट के कारण निगम का राजस्व बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिसका सीधा असर अब रोडवेज के चालक और परिचालकों की आय पर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, विद्यावाहिनी बस अड्डे के सामने से प्रयागराज से बनारस और आजमगढ़ के बीच घड़ल्ले से प्राइवेट एसी और नान एसी बसों और टैक्सियों का संचालन किया जा रहा है। इनमें कई प्राइवेट कंपनियों की एसी बसें प्रमुखता से शामिल हैं। यह अवैध गतिविधियां लंबे समय से जारी हैं, लेकिन प्रशासनिक अन्देखों के चलते इनकी संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। स्थानीय स्तर पर इन वाहनों के अवैध संचालन को खुली छूट मिलने से निगम की बसें खाली दौड़ रही हैं, जिससे सरकारी रोड टैक्स और राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। इस अवैध प्रतिस्पर्धा का खामियाजा रोडवेज के कर्मचारियों को भुगतान पड़ रहा है। विभाग का राजस्व लक्ष्य पूरा न होने के कारण परिचालकों की प्रोत्साहन राशि में कटौती की जा रही

कार्यकर्ताओंका उत्साह ही संघटनकी सबसे बड़ी ताकत-राजीव पासवान



प्रयागराजसे भदोहीके लिए निकली पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा

बुधवार को प्रयागराज जनपद से पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बाबा भीमराव आम्बेडकर, वीर शिरोमणि महाराजा बिजली पासी, महाराजा कंस पासी, महाराजा लाखन पासी एवं लोजपा के संस्थापक स्व. राम विलास पासवान के चित्र को हाथों में लिया था। यह यात्रा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद एवं प्रभारी अरुण भारती एवं प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी के नेतृत्व में निकाली गयी। पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा का मकसद गौरवशाली इतिहास, सामाजिक जागरूकता और सम्मान



है। चालक-परिचालकों का कहना है कि बस अड्डे से लेकर निर्धारित मार्ग तक अवैध संचालित बसों में यात्रियों को भरा जाता है। इसमें पुलिस भी सहयोग करती है। विरोध करने में भर्त्ता और धमकाया जाता है। जबकि निजी बसें निर्धारित मानकों के अनुरूप भी नहीं होती है। परिवहन

संविदा चालक परीक्षामें पास हुए चार अभ्यर्थी

बुधवार को नैनी स्थित जीरो रोड बस अड्डा पर संविदा चालक की भर्ती के लिए रोजगार मेला लगा। हालांकि लाइसेंसिंग प्रक्रिया के दौरान बड़ी खामियां सामने आईं जिससे प्रतिभागियों को भर्ती प्रक्रिया से बाहर होना पड़ा। जीरों बस अड्डे पर आयोजित एक परीक्षण में कुल ७ आवेदक शामिल हुए। जिसमें से केवल चार उम्मीदवार ही सफल हो पाए, जबकि ३ आवेदक दस्तावेजों की कमी के कारण बाहर हो गए। असफलता का मुख्य कारण आवेदकों के ड्राइविंग लाइसेंस का अधूरा होना और आधार कार्ड में मौजूद त्रुटियां रही। एक आवेदक का लाइसेंस पूरा होने में ६ महीने का समय शेष था, जिसके चलते उसे अयोग्य घोषित कर दिया गया।

की पहचान दिलाता था। पार्टी कार्यालय में आगामी कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की गयी। कार्यकर्ताओं के सुझाव सुने गये। प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी ने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह ही संघटन की सबसे बड़ी ताकत है। प्रयागराज जनपद से शुरू पासी-पासवान शौर्य सम्मान यात्रा अपरान्ह भदोही जनपद पहुंचेगी। फिर मिर्जापुर चली गयी। कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह सम्मान यात्रा का स्वागत किया गया। कमल तिवारी प्रदेश महासचिव, जितेंद्र पासी प्रदेश महासचिव, रामविलास पासी प्रदेश सचिव अवनीला तिवारी, प्रदेश सचिव विजय राय मंडल अध्यक्ष मिर्जापुर राम अवध मिश्रा, जिला अध्यक्ष भदोही बिजय पासी कार्यकारी अध्यक्ष भदोही सीमा सिंह आदि उपस्थित थे।

श्रीरामके राज्याभिषेककी घोषणासे अवध नरेशकी जय-जयकार

अल्लापुरकी रामलीलामें चारों बहुओंके अयोध्या आनेपर छाया उल्लास

बाघम्बरी क्षेत्र अल्लापुर रामलीला कमेटी की ओर से बुधवार को रामलीला की शुभेकांत पूर्व न्यायमूर्ति नीरज तिवारी, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित अध्यक्ष डा. सौपी उपाध्याय ने संयुक्त रूप से भगवान श्री गणेश का पूजन कर दिया।

रामलीला के मंचन में श्रीराम सीता के विवाह की सूचना पर राजा दशरथ बारात लेकर जनकपुरी आते हैं। जहां चारों भाइयों का विवाह क्रमशः सीता, उर्मिला, मांडवी एवं श्रुतिकीर्ति के साथ होता है और राजा दशरथ चारों पुत्रों एवं पुत्रवधुओं के साथ अवधपुरी पहुंचते हैं, जहां हथौलास के साथ उत्सव मनाया जाता है। राज दरबार की तरफ से भेंट एवं उपहार प्रजावासियों में बांटे जाते हैं। जिसके बाद राजा दशरथ अपनी वृद्धवस्था के कारण श्रीराम का राज्याभिषेक करने की अपनी इच्छा राज गुरु वशिष्ठ से प्रकट करते हैं तब गुरु वशिष्ठ इस निर्णय को सामयिक और प्रत्येक भांति उपयुक्त बताते हुए शुभ मुहूर्त बताते हैं। राज भवन की ओर से यह सूचना

महानगरकी खबरें पृष्ठ ११ पर भी देखें

और मुहूर्त के अनुसार नियत तिथि की घोषणा की जाती है। जनमानस हर्ष एवं उल्लास से ओत प्रोत हो अवध नरेश की जय जयकार करती है और रामराज की अभिलाषा से उत्सव की तैयारी में लग जाती है। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता डा सी पी उपाध्याय, ऋषिचंरन द्विवेदी,संचालन मंडल समिति के सदस्य चंदन भट्ट, ओम प्रकाश मिश्र,(बच्चा भैया), राजू केसरवानी, आचार्य राजेश त्रिपाठी, भानु पटेल, वीरेंद्र तिवारी, रत्नेश दुबे, अमरचंद्र देल, शिवम पांडेय, कक्कू पाण्डेय, दिलीप सोनी, विकास केसरवानी, मोहन कुशवाहा, विशाल सोनकर, अमित त्रिपाठी सहित आदि मौजूद रहे। राम के किरदारमें शिवा कुमार, लक्ष्मण के दीपेंद्र सिंह, सीताजी के रूप में सृष्टि जाना रहीं। राजा दशरथ के रूप में धर्नजय तिवारी तथा रामलीला का निर्देशन निर्देशिका प्रिया मिश्रा ने किया।

श्री महंत बाबा हाथी राम पंजाब रामलीला कमेटी की ओर से ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से मंचित रामलीले के मंचन में प्रभु श्री राम को राजगद्दी मिलते मिलते वनवास मिल गया, मंथरा की कूटनीति द्वारा कैकई का कोप भवन में जाना और राजा दशरथ से तर्क विवर्क कर अपने दोनों वर को मांगने का दृश्य बहुत ही भावपूर्ण रहा, राम वनवास की लीला देखकर पूरी जनता भाव विभोर उठी, मत जाओ मत जाओ हे राम अयोध्या छोड़ के तुम मत जाओ, के गीत पर मैदान में उपस्थित सारी जनता के आंखों से आंसू बहने लगे, दशरथ मरण का दृश्य जैसे वास्तविकता में हो रहा था,रात्रियों का बिलाप तो देखते ही बन रहा था। केवट का प्रसंग का दृश्य तो बहुत ही मनमोहक रहा। इससे पूर्व

श्रीरामने चढ़ायी प्रत्यंचा, टूट गया धनुष, सीताने डाली वरमाला

श्री श्री बाल रामलीला समिति सिविल लाइंस की रामलीला में बुधवार को धनुष यज्ञ और सीता स्वयंवरका मनोहारी मंचन श्री श्री बाल रामलीला समिति सिविल लाइंस की रामलीला में बुधवार को धनुष यज्ञ और सीता स्वयंवर का मंचन किया गया। जिसमें मिथिला नरेश महाराज जनक ने अपनी पुत्री माता सीता के विवाह के लिए स्वयंरं रचा और शर्त रखी कि जो भी वीर भगवान शिव के विशाल धनुष पिनारु पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी के साथ सीता का विवाह होगा। स्वयंवर में लंकापति रावण सहित कई बड़े राजा-महाराजा पहुंचे, लेकिन कोई भी उस शिव धनुष को हिला तक नहीं सका। राजा जनक ने जब यह कहा कि धरती वीरों से खाली हो गई है, तब कोथित होकर लक्ष्मण ने उनका विरोध किया, जिन्हें भगवान श्रीराम ने शांत कराया।

गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर

राम वनवास प्रसंगको देखकर रो पड़ी अयोध्या, न जाओ प्रभु...

श्री पंजावाकी रामलीलामें कैकेयीका कोप भवनमें जाना, दशरथसे दोनों वर मांगनेका भावपूर्ण मंचन सर्वप्रथम प्रभु श्री राम-लक्ष्मण माता जानकी की आरती पंकज पांडे सरणी प्रोटोकॉल एवं रैनक गुप्ता डिवीजनल वार्डन सिविल डिफेंस उत्तरी। इस मौके पर कमेटी के मोहन जी टंडन (टंडन भैया),अमिताभ टंडन, राजेश मल्होत्रा, गिरी शंकर प्रभाकर एवं रामलीला के निर्देशक सचिन कुमार गुप्ता मौजूद रहे। कमेटी की ओर से आयोजित प्रतियोगिता जिसमें यूनाइटेड इंस्टिट्यूट की प्रा. शिवानी गुप्ता ने बच्चों से श्री राम पर आधारित प्रश्न पूछे, दस बच्चों का सही उत्तर देने पर उन्हें प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

लीडर एवं जीरो रोड डिपोंकी बसें भी प्रभावित

हालात इतने बदतर है कि लीडर रोड डिपों के सामने दिन और रात डगगामार वाहन से यात्रियों को ढोया जा रहा है। रोडवेज के कर्मचारी दुर्बलस्था को देखते रहते हैं। वहीं लेप्रोसी स्थित बारगर्मशाला रोड के पास रोडवेज कर्मियों द्वारा रोजाना घंटों इयूटी देने के बावजूद प्रशाहन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। महीने में एकाध बार आरटीओ अधिकारियों द्वारा कॉन्फेंग की जाती है, लेकिन फिर से हालात जस के तस हो जाते है। संचालकों का आरोप है कि पुलिस इन अवैध डग्गामार वाहनो के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती है। मजबूरन, वेध वाहन चालकों को अब अपनी गाड़ियों खुद ही २० से २५ सवारियों होने तक रोक कर रखनी पड़ती है, ताकि वे अपना खर्च निकाल सकें। पुलिस की इस कथित चुप्पी ने अवैध परिवहन माफियाओं का हौसला बढ़ा दिया है, जबकि अनुपालन करने वाले चालक आर्थिक मार झेलने को मजबूर हैं।

निगम, परिवहन विभाग, पुलिस एवं यातायात विभाग एवं संबंधित विभागोंय अधिकारियों की चुप्पी और प्रशासन की निष्क्रियता ने इस पूरे अवैध नेटवर्क को और अधिक मजबूत कर दिया है, जिससे रोडवेज की आर्थिक स्थिति पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

केन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या-

०८/२०२४ के अन्तर्गत लेवल-१ के विभिन्न पदों हेतु विज्ञापित २०२० पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सा परीक्षण का कार्यक्रम २६ अक्तूबर से २३ नवम्बर तक रेल भर्ती प्रकोष्ठ,प्रयागराज में निर्धारित किया गया है। डाक्यूमेंट वैरिफिकेशन का विस्तृत शेड्यूल एवं श्रेणी, समुदाय बार कटआफ आरआरसी की जानकारी के आधार पर ही निर्धारित की जायेगी।

यदि भर्ती की प्रक्रिया के दौरान अथवा उसको पश्चात किसी उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन में दी गयी सूचना झूठी/गलत होने अथवा संबंधित सूचना को छिपाये जाने पर अथवा उम्मीदवार द्वारा पद के लिये अपेक्षित मान्यदह पूरे नहीं किये जाने पर, उसकी पात्रता समाप्त कर दी जायेगी।दस्तावेज सत्यापन के समय, आरआरसी उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत मूल सहायक दस्तावेजों के विरुद्ध आनलाइन आवेदन में दिये गये विवरणों का सत्यापन करेगा।

अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के सभी चरणों को पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमानुसार सम्पादित किया जाता है। इसके सम्बन्ध में सूचना आरआरसी, प्रयागराज की अधिकृत वेबसाइट पर समय-समय पर जारी किया जाता है।

ट्रेनमें महिलाका पर्स छीनकर भागा युवक

माधव एक्सप्रेस से दिल्ली से इरलामपुर जा रही महिला का बैग प्रयागराज में एक युवक छीन कर भाग गया। बैग में सेने की चेन, दो जेड्डी ईयर रिंग, १५ हजार रुपये नकद, मोबाइल, एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड और घूट की चाबियां थीं। बैग लेकर भाग रहे युवक को पकड़ा नहीं जा सका। बाद में चोरी हुए डेबिट कार्ड से तुलाराम बाग स्थित एक एटीएम से १५ हजार रुपये निकाल लिये गये। पीड़ित महिला की बेटी निशु सिंह ने पूरी घटना का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने रेल्वे की सुरक्षा व्यवस्था और जीआरपी को कार्यक्षमली पर सवाल उठाये हैं। निशु के मुताबिक बीते १३ अक्तूबर की सुबह ट्रेन के प्रयागराज पहुंचने के दौरान



भगवान श्रीराम ने सहज ही शिव धनुष को उठाया और प्रत्यंचा चढ़ाते ही वह धनुष टूट गया। धनुष टूटने के बाद पूरे जनकपुर में जयश्रीराम के जयकार गूंज उठे, पुष्पपात्री हुई और माता सीता ने भगवान श्रीराम के गले में वरमाला डाली। भगवान श्री राम माता सीता के विवाह पर रामलीला

परिसर में दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट और जय श्रीराम के नारे से पूरा परिसर उठा। रामलीला प्रारंभ होने से पहले भगवान राम लक्ष्मण की आरती उठाती गयी। राम की भूमिका अमित श्रीवास्तव, लक्ष्मण की रवि यादव, रावण की विक्रम राय, बाणासुर की नरेंद्र यादव, परशुराम की अनुरु दुबे, सीता की शिखा आर्य, सत्यानंद रितेश कुमार, जनक की आदित्य, विश्वामित्र की सीतेश तिवारी ने निभायी। रामलीला के मंचन के निर्देशक जगदीश बुध प्रवान एवं शेकर सुमन रहे। १५ अक्तूबर को राम वनवास और चित्रकूट में भरत मिलाप का मंचन किया जाएगा।

आज प्रयागराज आयेंगे मुख्यमंत्री, सुरक्षाके पुख्ता इंतजाम

बाहरी फोर्स भी पहुंची, चार कार्यक्रमोंमें शामिल होंगे योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ १५ अक्तूबर को प्रयागराज आएंगे। यहां चार कार्यक्रमों में शामिल होंगे, दो स्थानों पर सभा को सम्बोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन के दृष्टिगत प्रयागराज में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गय है। प्रयागराज के अलावा बाहरी फोर्स भी बुला दी गयी है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए चारों स्थानों पर बुधवार को प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण कर कार्यक्रम की तैयारियों को परखा।

मुख्यमंत्री के आने को लेकर प्रोटोकाल बुधवार को जारी कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपरान्ह प्रयागराज पहुंचेंगे। सर्वप्रथम वह तेलियरंगन चौराहा के पास बाबू मसरियादीन पासी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे तथा तेलियरंगन स्थित पेपिंग्ट इंस्टीट्यूट परिसर में जनसभा करेंगे। जिसके बाद मुख्यमंत्री गवर्नमेंट

दस्तावेज सत्यापनके लिए आरआरसी कार्यालय पहुंचे उम्मीदवार

सीसीएए अभ्यर्थी की दस्तावेज सत्यापनसे पूर्व छंटनीका मुद्दा उठा, अधिकारियोंने किया निराकरण

केन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या- ०८/२०२४ के अन्तर्गत लेवल-१ के विभिन्न पदों हेतु विज्ञापित २०२० पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सा परीक्षण का कार्यक्रम २६ अक्तूबर से २३ नवम्बर तक रेल भर्ती प्रकोष्ठ,प्रयागराज में निर्धारित किया गया है। डाक्यूमेंट वैरिफिकेशन का विस्तृत शेड्यूल एवं श्रेणी, समुदाय बार कटआफ आरआरसी की जानकारी के आधार पर ही निर्धारित की जायेगी।

यदि भर्ती की प्रक्रिया के दौरान अथवा उसको पश्चात किसी उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन में दी गयी सूचना झूठी/गलत होने अथवा संबंधित सूचना को छिपाये जाने पर अथवा उम्मीदवार द्वारा पद के लिये अपेक्षित मान्यदह पूरे नहीं किये जाने पर, उसकी पात्रता समाप्त कर दी जायेगी।दस्तावेज सत्यापन के समय, आरआरसी उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत मूल सहायक दस्तावेजों के विरुद्ध आनलाइन आवेदन में दिये गये विवरणों का सत्यापन करेगा।

अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के सभी चरणों को पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमानुसार सम्पादित किया जाता है। इसके सम्बन्ध में सूचना आरआरसी, प्रयागराज की अधिकृत वेबसाइट पर समय-समय पर जारी किया जाता है।

प्रेस ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके बाद कसारी-मसारी में पदमोक्ष आवास योजना का भूमि पूजन एवं लाभार्थियों के चाबी वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

यहां के बाद वह लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी विभागों के अधिकारी दिनभर अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे रहे। पीडीए, पुलिस, प्रशासन, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी सहित सभी विभाग के अधिकारी पूरे दिन कार्यक्रम स्थलों का जायजा लेते रहे। सड़क को दुरुस्त कराने का काम भी होता रहा। गड्डे भरे गये और पैचवर्क किया गया। बता दें कि

मतदाता सम्मेलनको

भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरुवार को होने वाले मतदाता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत झोक दी है। सम्मेलन को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्बोधित करेंगे।

भाजपा ने कल दोपहर एक बजे गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया है। सम्मेलन की सफलता के लिए प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी, एमएलसी अनूप गुप्ता, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष एवं स्नातक चुनाव के सह संयोजक अवधेश चंद्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष संजय

‘बाल्टीमें कीचड़ भरकर चल रही भाजपा, सपा प्रत्याशियोंपर उछाल रही’

डा.मानसिंह यादव ने डिटी सीएम केशव कुंवार के माध्यम से आरोपों को निराधार बताते हुए भाजपा पर सपा प्रत्याशियों की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए बाल्टी में कीचड़ भरकर चल रही है और सपा के प्रत्याशियों पर कीचड़ उछाल रही है। डिटी सीएम की ओर से लगाए गए आरोप के बाद सपा प्रत्याशी ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि ४०-४२ लाख रुपये हॉडिया निवासी कोरोमो संजय यादव की वैध व्यापारिक पूंजी थी, जिसका विवरण आयकर विभाग को दिया गया है। उन्होंने कहा कि देर रात सुरक्षा की दृष्टि से कोरोबादी को गाड़ी में लिपट दी गई थी। सपा प्रत्याशी ने आयकर विभाग से जारी नोटिस को भी दिखाया। फर्जी डिप्र्री के आरोपों पर सपा प्रत्याशी ने बीएड, एमएड, नेट और पीएचडी की शैक्षणिक योग्यताओं का हवाला देते हुए निष्पक्ष जांच की चुनौती दी। उन्होंने मानहानि का मुकदमा करने की बात भी कही। उन्होंने कालेजों में परीक्षाएं कराकर मतदान प्रभावित करने की साजिश का आरोप लगाते हुए निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपने की बात कही।



कसारी-मसारी में माफिया अताक अहमद से मुक्त कराई गई एक हेक्टेयर जमीन पर पीडीए ६०२ फ्लैट का

निर्माण कराने जा रहा है। जिसके भूमि-पूजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां पहुंच रहे हैं।

प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंहने कार्यकर्ताओंके साथकी बैठक, दिये निर्देश

गुप्ता व कार्यकर्ताओं के साथ सभा स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों को परखा। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रणनीति बनायी। कहा कि पोलिंग बुधों पर सक्रियता बढ़ा कर मतदाताओं से संपर्क का नियमित अभियान चलाएं कार्यकर्ता। स्नातक मतदाता सम्मेलन से लेकर २३ अक्टूबर मतदान के दिन तक कार्यकर्ता चैन से न बैठे।अधिक से अधिक संख्या में मतदान हो इसका पूरा खाका पार्टी

सपा सरकारमें बेरोजगारों, शिक्षकोंके साथ होगा न्याय-डा.मान सिंह

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र इलाहाबाद झांसी से सपा प्रत्याशी और वर्तमान एमएलसी डा.मानसिंह यादव ने दावा किया है कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन को बहाली, वित्तिवहीन शिक्षकों की सेवा पुस्तिका एवं सम्मानजनक मानदेय दिया जाएगा, शिक्षामित्र को समान कार्य समान वेतन दिया जाएगा, टीईटी से संबंधित विसंगतियों को दूर करके शिक्षकों को न्याय दिया जाएगा। साथ ही ग्राम सेवक, रोजगार सेवक, अनुदेशक, आंगनवाड़ी, आशा बहूओं के साथ न्याय किया जाएगा। टीई टी से सम्बंधित विसंगतियों को दूर किया जायेगा। बुधवार को एक होटल में पत्रकारवार्ता के दौरान उन्होंने उक्त बातें कही। उन्होंने आगे कहा कि इलाहाबाद झांसी सातक क्षेत्र से सपा एमएलसी डॉक्टर मानसिंह यादव ने कहा है कि बेरोजगारी को दूर करने तथा प्रतियोगी छात्रों को कैलेंडर जारी कर नियमित भर्ती प्रक्रिया लागू की जाएगी,पेपर



लीक जैसी महामारी का स्थाई समाधान दिया जाएगा, अधिवक्ता भागधों के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन कानून जारी होगा। आउटसोर्सिंग के स्थान पर सरकारी पदों पर नियमित भर्ती की जाएगी।

६९ हजार शिक्षक भर्ती मामले में उचित हस्ताक्षेप करके आश्वासन का पक्षों के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन कानून जारी होगा। एक लाख शिक्षा प्रेरक जो २०१८ से संघर्ष कर रहे हैं उन्हें बहाल किया जायेगा।

इस दौरान जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन, प्रवक्ता दान बहादुर मधुर आदि मौजूद रहे।

कार्यकारिणी सदस्योंकी मतगणना आजसे

तीन दिनों तक स्थगित रहने के बाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव के कार्यकारिणी सदस्य (पुरुष) पद के मतपत्रों की गणना फिर से गुरूवार को लाइब्रेरी हाल में सुबह १० बजे से सायंकाल पांच बजे तक लाइब्रेरी हाल में की जायेगी।मतगणना स्थल में कार्यकर्ताकारिणी सदस्य पद के

प्रत्याशियों अथवा सम्बन्धित प्रत्याशी द्वारा लिखित रूप से नामित अधिवक्ता,उत्तमसमर्थक के अलावा किसी अन्य अधिवक्ता के प्रवेश की अनुमति नहीं करेगी। इसका कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। यह जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद फरमान अहमद नकीवी ने दी है।

‘गाथा रामकी’ में जीवंत हो उठा सीता हरण-जटायु युद्धका मार्मिक दृश्य

श्री कटरा रामलीला कमेटीकी ओरसे प्रेम, अपमान एवं अपहरणका प्रभावशाली मंचन

श्री कटरा रामलीला कमेटी की ओर से ‘राम बावली’ में आयोजित हो रही भव्य एवं आधुनिक रामलीला प्रस्तुति अतुल यदुवंशी के निर्देशन मे ‘गाथा राम का’ के पांचवें दिन बुधवार को ‘पंचवटी का संकट में प्रेम, अपमान और अपहरण’ का अत्यंत प्रभावशाली और रोमांचक मंचन किया गया। रोमांचक पर शृणुका प्रसंग से लेकर सीता-हरण तथा जटायु युद्ध तक की घटनाओं का ऐसा सजीव प्रदर्शन हुआ कि पूरा परिवर जय श्री राम के जयकारों से गूँज उठा और दर्शक रोमांच, वीरता एवं करुणा के भावों में डूब गए। मंचन की शुरुआत पंचवटी के शांत और प्राकृतिक वातावरण के दृश्य से हुई। लंकापति रावण को बहन सूर्यपुष्पा के अपमान का बदला लेने के लिए रावण द्वारा रची गई कपट-नीति के तहत मारीच सुवर्ण मृग (सोने का हिरण) बनकर आया। माता सीता के आग्रह पर भगवान श्री राम उस अद्भुत मृग का पीछा करने वन की ओर प्रस्थान करते हैं। अगले चरण में मारीच की कपटपूर्ण वीत्कार सुनकर व्याकुल हुई माता सीता के कहने पर लक्ष्मण जी

सुरक्षा के लिए लक्ष्मण रेखा खींचकर राम की खोज में निकलते हैं। इसके पश्चात रावण साधु का वेश धरकर छल-पूर्वक माता सीता का हरण कर लेता है। मंचन का सबसे प्रभावकारी और रोमांचक क्षण ‘जटायु-रावण युद्ध’ का दृश्य रहा। जब लंकापति रावण माता सीता को आकाश मार्ग से ले जा रहा था, तब वृद्ध पक्षीराज जटायु ने अर्धम की विरोध करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया। जटायु और रावण के बीच हुए धीषण युद्ध के दृश्यों ने दर्शकों की मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में रावण द्वारा जटायु के पंख काट देने और जटायु के भूमि पर गिरकर श्री राम के चरणों में ग्राण त्यागने का दृश्य देखकर पूरा पंडाल अश्रुपूरित हो उठा। इससे पूर्व पंचम दिवस के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद शैलेन्द्र कुमार, व्यवसायी राज कुमार गुप्ता, संजय गुप्ता टोनी, पंचवटी के शांत और प्राकृतिक वातावरण के दृश्य से हुई। लंकापति रावण को बहन सूर्यपुष्पा के अपमान का बदला लेने के लिए रावण द्वारा रची गई कपट-नीति के तहत मारीच सुवर्ण मृग (सोने का हिरण) बनकर आया। माता सीता के आग्रह पर भगवान श्री राम उस अद्भुत मृग का पीछा करने वन की ओर प्रस्थान करते हैं। अगले चरण में मारीच की कपटपूर्ण वीत्कार सुनकर व्याकुल हुई माता सीता के कहने पर लक्ष्मण जी

लेिए राम जाते हैं और माता दोनों विह्वल हो जाते हैं। राम कैकेयी के महल में दशरथ से वन जाओ की आज्ञा लेने जाते हैं, जहां राजा दशरथ बेसुध पड़े रहते हैं। उनका चरण छू कर राम वन प्रस्थान यह समाचार पाते हैं और राम के साथ वन जाने का निश्चय कर लेते हैं। अयोध्या के राजमहल में खलबली मच जाती है। उर्मिला का मनःपलुप्त वह भी लक्ष्मण के साथ जाना चाहती है लेकिन लक्ष्मण उन्हें घर पर रहने को कहते हैं। कोशल्या से विदा मांगने के

श्री पथरचट्टी रामलीलाकी ओरसे

मार्मिक मंचनसे रो पड़े श्रद्धालु

के राजसिंहासन पर बैठना मंथरा को कदापि सहन नहीं। मंथरा कैकेयी के

यह समाचार पाते हैं और राम के साथ वन जाने का निश्चय कर लेते हैं। अयोध्या के राजमहल में खलबली मच जाती है। उर्मिला का मनःपलुप्त वह भी लक्ष्मण के साथ जाना चाहती है लेकिन लक्ष्मण उन्हें घर पर रहने को कहते हैं। कोशल्या से विदा मांगने के

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

आज

प्रयागराज, गुरुवार १५ अक्टूबर, २०२६

तेलियरगंजमें पावर ट्रान्सफार्मर का तेल लीक, बिजली-पानीको तरसे लोग

दर्जनों मोहल्ले रहे प्रभावित, मरम्मत कार्यके चलते भी कटी बिजली

नगरवासियों को बिजली के फाल्ट व मरम्मत के कार्य के चलते बिजली संकट से राहत नहीं मिल पा रही है। तेलियरगंज विद्युत उपकेन्द्र के बिजली घर का पावर ट्रान्सफार्मर का तेल लीक होने से दर्जनों मोहल्लों में शाम को घंटों बिजली पानी का संकट बना रहा है। शाम को त्योहारों के मद्देनजर विद्युत उपकेन्द्र पर बिजली उपकरणों की जांच अधिकारी और कर्मचारी कर रहे थे। इसी दौरान एक पावर ट्रान्सफार्मर से तेल लीक होते दिखा। इसके बाद पावर ट्रान्सफार्मर को बंद कर मरम्मत का कार्य शुरू किया। शाम चार बजे बिजली आपूर्ति ठप होने के बाद देर रात मरम्मत के बाद इलाके की बिजली आपूर्ति बहाल होने पर लोगों को राहत मिल सकी। नवरात्र एवं दुर्गा पूजा पर्व आरम्भ हो गया है। इसके बावजूद पूरे दिन लोगों को बिजली पानी के संकट से जूझना पड़ रहा है। सुबह ग्यारह बजते ही नगर के विद्युत उपकेन्द्रों फोर्टरोड, दारागंज, टैगोर टाउन, जार्जटाउन, तेलियरगंज, गोविंदपुर, बेली, म्योहाल, अशोक नगर, रामबाग, गऊघाट, सिविल लाइंस, खुसरोबाग, कल्याणी देवी, करेली, करेलाबाग, कानपुर रोड,

बमरौली, कसारी मसारी से जुड़े इलाकों में बिजली गुल हो जाती है। शाम तक लोग बिजली के आने जाने का इंतजार करते हैं। शाम को जैसे तैसे बिजली आपूर्ति बहाल होती है। फिर बिजली लाइनों के ट्रिप होने से लोगों को परेशान होना पड़ता है। घंटों रोजाना कटौती का सामना करना पड़ रहा है। इसी क्रम में न्यू खुसरोबाग विद्युत उपकेन्द्र से जुड़े डफरिन फीडर, दायराशाह अजमल फीडर से जुड़े इलाकों में सुबह दो-दो घंटे, काटजू रोड फीडर, बेदरौली फीडर, मरकरी फीडर से जुड़े इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही है। ओल्ड खुसरोबाग विद्युत उपकेन्द्र से जुड़े फीडर बेनीगंज फीडर और विद्युत उपकेन्द्र पर मरम्मत के कार्य चलते बिजली आपूर्ति बाधित रही है। इस समय जगह जगह ढीले हो चुके तारों की कसा जा रहा है। इन इलाकों में रामदल निकलने और भव्य दुर्गा पूजा के पण्डाल सजाये जाते हैं। लाइटिंग से पूरे इलाके जगमगाते रहते हैं। ऐसे में निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति बनाये रखने के लिए बिजली के जरूरी मरम्मत कार्य निर्धारित किये गये हैं। मरम्मत कार्य के दौरान पूरे

दिन बिजली के आने जाने से लोग परेशान रहे हैं। बिजली के आये दिन होने फाल्ट के चलते नगर के गली मोहल्लों में लोग परेशान रहते हैं। वहीं अब अब आगामी त्योहारों को लेकर बिजली के चलने वाले मरम्मत के कार्य के चलते दुशारियां बढ़ी रहती है। सुबह अचानक विद्युत उपकेन्द्रों से जुड़े इलाकों में ग्यारह बजते ही बिजली कटौती हो जाती है। इसके बाद बिजली कब आयेगी, यह बताने वाला कोई नहीं होता है। उमस भरी गर्मी में बेहाल होने पर लोग फोन कर उपकेन्द्रों पर हाल लेने की कोशिश करते हैं तो कर्मचारियों द्वारा जरूरी मरम्मत के कार्य का हवाला दिया जाता है। इस दौरान सुबह से शाम तक लोग पानी की किल्लत से जूझते रहते है।

त्योहारोंपर नयी दिल्ली-पटनाके बीच चलेगी वंदे भारत

रेल प्रशासन द्वारा पूजा पर्व-२०२६ के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। त्योहारों पर नई दिल्ली-पटना के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलेगी। गाड़ी संख्या-०२२५२ और ०२२५१ नई दिल्ली-पटना-नई दिल्ली आरंभित वंदे भारत एक्सप्रेस त्योहार विशेष ट्रेन का संचालन होगा। गाड़ी संख्या ०२२५२ नई दिल्ली-पटना आरंभित वंदे भारत एक्सप्रेस १६ एवं १८ अक्तूबर को दो फेरे जबकि गाड़ी संख्या ०२२५१ पटना-नई दिल्ली, १७ एवं १९ अक्तूबर को दो फेरे लगायेगी। इसी क्रम में गाड़ी संख्या ०२२५२ नई दिल्ली-पटना प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार २१ अक्तूबर से २५ नवम्बर तक १६ फेरे और गाड़ी संख्या ०२२५१ पटना-नई दिल्ली प्रत्येक मंगलवार, गुस्वार एवं रविवार २२ अक्तूबर से २६ नवम्बर २०२६ तक १६ फेरे लगायेगी। वहीं

के पद पर रहते हुए निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद नहीं की जा सकती। छात्र नेताओं ने कहा कि संविधान की रक्षा और जनता के मताधिकार की सुरक्षा के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का एलान किया। कटरा के पास पुलिस ने मशाल जुलूस रोकने की कोशिश की। लेकिन छात्र नहीं माने और पुलिस से छीना झपटी हुई। मशाल जुलूस में राघवेंद्र यादव, प्रियांशु, हर्देष्ट यादव, नवनीत कुमार, हिरेंद्र पटेल, गोवर्ध गौड़, मदनदीप चौधरी, अंश, अभिषेक, अनुराग और दीपेंद्र समेत सैकड़ों छात्र शामिल रहे। वहीं समाजवादी छात्र समाज से जुड़े कार्यकर्ताओं ने पथर गिरजाघर से मशाल जुलूस निकाला। शिवा केसरवानी महानगर अध्यक्ष सहास ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार स्वीफा नहीं दते तो हमल लोग बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।इस दौरान अखिलेश गुप्ता यादव , शिवा बागी, आशुतोष यादव, सहाय अंसारी, सैय्यद राजिक आदि मौजूद रहे।

नवरात्रमें खानपानकी शुद्धताको लेकर छापेमारी, १५ नमूने लिये

चल रहे नवरात्र पर्व पर खानपान की शुद्धता को लेकर मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में जिले से आपूर्ति हो रहे खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता परखने के लिए बुधवार को खाद्य विभाग की टीम ने कई प्रतिष्ठानों में छापेमारी कर जांच के लिए खाद्य पदार्थों के ११ नमूने लिये। ४४.१०.२०२६ को जनपद में घण छापेमारी की गयी। धूमनागंज स्थित टीटीनगर में मेसर्स आर्के एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड में खाद्य सुरक्षा अधिकारी समला प्रसाद के नेतृत्व में निरीक्षण किया गया। मौके पर बाटर टेस्ट रिपोर्ट, पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र, हैलसर्ट मेडिकल प्रमाण-पत्र एवं स्टॉक रिजिस्टर प्रस्तुत किया गया। साफ-सफाई संतोषजनक मिली, डी-प्रोजर का तापमान मानक अनुरूप रहा। यहां से नुनल ०५ नमूने अरहर दाल,आयोडाइड नमक, कच्चीड़ी, मैदा, आटा गुणवत्ता के सदेह पर

पण्डाल में मां के आवाहन की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कई पण्डालों में मां की प्रतिमाएं भी पहुंच चुकी हैं। १६ अक्तूबर को मां का आवाहन कर प्रतिमाओं के स्थापना होगी। वहीं १५ को आगोमनी(महिषासुर मर्दिनी) एवं अर्नत मेला का आयोजन भी होगा। जीटीबी नगर सार्वजनिक दुर्गापूजा कमेट्री करेली के अध्यक्ष प्रदीप दत्ता ने बताया कि १६ अक्तूबर

सिविल लाइंस के पत्थर गिरजाघर स्थित धरनास्थल पर यूपीटीईटी २०२६ के नार्मलाइजेशन और रीजेक्शन के शिकार अभ्यर्थियों ने बुधवार को जमकर नारेबाजी एवं शिक्षा सेवा चयन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया। धरना के मुख्य नेतृत्वकर्ता अमित द्विवेदी ‘आजाद’ ने कहा कि आयोग शुरूआत से ही अपनी गलतियों को नजरअंदाज करके छात्रों की एक छोटी सी मानवीय भूल को अपराध मानकर वहाँ से लॉन्च किए जा चुके शिक्षक भर्ती निकालने के बाद छात्रों को नार्मलाइजेशन और रीजेक्शन का शिकार बताकर अभ्यर्थन से बाहर कर दिया है।

प्रदर्शनरत छात्रों ने आरोप लगाया कि आयोग द्वारा यूपीटेट के एजाज नम में लगभा १२ प्रश्नों को गलत एवं दोहरे उत्तर वाले बनाने के बावजूद ऐसे प्रश्न निर्माताओं पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, जबकि छात्रों की एक

संविदा कर्मियोंका कार्य बहिष्कार, मांगोंपर अड़े

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत सँविदा कर्मचारियों, सीएचओ, एएनएम और डाक्टरों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन बुधवार को भी पूरी तरह जारी रहा। लखनऊ में आयोजित धरना-प्रदर्शन के समर्थन में स्थानीय स्तर पर भी स्वास्थ्य व्यवस्था पर इसका व्यापक असर देखने को मिला।बेली, काल्विन के साथ-साथ विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कर्मचारियों ने पूर्ण कार्य बहिष्कार कर अपना विरोध दर्ज कराया। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संघ के आवाहन पर चल रहे आंदोलन में कर्मचारियों ने कहा का कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होती आंदोलन जारी रहेगा। संघ के उपाध्यक्ष डा.आनंद रिपाटी ने बताया कि जिले में पूनएचएम के लगभग १५ हजार कर्मचारी विभिन्न पदों पर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि हमारी प्रमुख मांगों में समान कार्य समान वेतन, नियमितकरण, न्यूनतम वेतन, उचित एवं स्वीकार्य निष्पक्ष ट्रांसफर पालिसी, ईपीएफ, ईएसआई और पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुस्था शामिल है।

गाड़ी संख्या ०६१३९ और ०६१४० पोटनूर-बरोनी-पोतनूर विशेष ट्रेन चलेगी। गाड़ी सं ०६१३९ पोटनूर से १६ अक्तूबर शुक्रवार और गाड़ी संख्या-०६१४० बरोनी से १९ अक्तूबर सोमवार को एक-एक फेरा लगायेगी। गाड़ी संख्या ०३४३९ और ०३४४० मालदा टाउन-शक्रबस्ती-मालदा टाउन विशेष ट्रेन का एक-एक फेरा लगायेगी। गाड़ी संख्या ०३४३९ मालदा टाउन से १६ अक्तूबर शुक्रवार और गाड़ी संख्या ०३४४० शक्रबस्ती से १७ अक्तूबर शनिवार को चलेगी। गाड़ी संख्या ०८४२३ खुर्दा रोड-शक्रबस्ती पूजा विशेष वनवे ट्रेन शुक्रवार १६ अक्तूबर को चलेगी।

आरओबी के निर्माणके लिए किया जा रहा

नगर में हाईकोर्ट के पास स्थित पानी की टंकी वाले नये रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कार्यवाही संस्था उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की ओर से अभी पाइलिंग मशीनों के सहारे जमीन की खोदाई एवं फाउण्डेशन का कार्य किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो एक सप्ताह बाद पुल का पिलर

अवैध अस्पतालोंपर छापेमारी, इलाज करते मिले झोलाछाप

सोरांव एवं मऊआइमा विकास खंड में आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण एवं सीएमओ के निर्देश पर बुधवार को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पतालों में छापेमारी की गयी।जांच के दौरान कहीं बिना पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड एवं पथैलोजी चली मिली तो कहीं बिना किसी चिकित्सकीय डिग्री के झोलाछाप मरीजों की ज़िंदगी से खिलवाड़ करते पकड़े गये। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सबसे पहले मेलाकिया, सोरांव स्थित सावित्री हास्पिटल का निरीक्षण किया गया। हास्पिटल के अंदर आरबी पथैलोजी सेंटर संचालित पाया गया। हैरान करने वाली बात यह कि इस पथैलोजी सेंटर का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं था बल्कि इसे अस्पताल के ही पंजीकरण पर चलाया जा रहा था।नियमों के उल्लंघन पर टीम ने पथैलोजी सेंटर को तुरंत सील कर दिया। इसके पश्चात सुरभि हास्पिटल का निरीक्षण किया, इस दौरान अस्पताल में दो मरीज एडमिट थे।जिनका इलाज अस्पताल प्रबंधक संतोष पटेल खुद कर रहे थे जिनके पास कोई चिकित्सकीय डिग्री नहीं थी,मरीजों की जान जोखिम में न पड़े इसके लिए दोनों मरीजों को कहीं अन्य अस्पताल शिफ्ट कराने का निर्देश और सुरभि

को घड़ी पर मां की प्रतिमा स्थापित की जायेगी। इससे पूर्व १५ को आनंद मेला एवं भजन संध्या का आयोजन होगा।। शाम सात बजे आराधना म्यूजिकल ग्रुप की ओर से सुगम संगीत का भी भव्य आयोजन किया गया है, जिसमें कलाकार मनमोहन भजनों की प्रस्तुति देंगे। मेले में बच्चों एवं महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के खान-पान के स्टॉल लगाए जाएंगे।

नार्मलाइजेशन-रीजेक्शनके शिकार अभ्यर्थियोंका प्रदर्शन

धरनास्थलपर कहा-शिक्षा सेवा आयोगने मानवीय भूलको अपराध माना



साधारण त्रुटि को बहुत बड़ा अपराध बनाकर फेल कर दिया गया और साथ ही नार्मलाइजेशन की अनुचित प्रक्रिया के कारण कट आफ से पांच-दस-

घरमें लगी आगसे फटा सिलेंडर, अफरातफरी

कल्याणी देवी मंदिरके पासकी घटना, फायर ब्रिगेडकी टीमने आगपर पाटा काबू



फायरकर्मों भीतर दाखिल हुए तो रसोई घर के छत व दीवारों के प्लास्टर गिरे

थे। गैस सिलिंडर के टुकड़े पड़े थे। दो और सिलिंडर रखे थे, लेकिन वह

विभिन्न रेलवे स्टेशनोंपर स्वच्छता जागरूकताके लिए किया संवाद

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा-२०२६ के अंतर्गत मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संवाद एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल, उप मुख्य यातायात प्रबंधक कांकाशु गोविल ने स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों में सहभागिता करते हुए यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया तथा रेलवे परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए प्रेरित कर स्वच्छता संवाद अभियान की शुरुआत की। इसी क्रम में प्रयागराज छिबकी, अलीगढ़ जंक्शन एवं टूंडला

फाउण्डेशनका काम

को गति दी जा रही है। पुल के निर्माण के लिए खुसरोबाग और हाईकोर्ट की तरफ पाइलिंग मशीनों के जरिये खोदाई और फाउण्डेशन का कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग ५.१.५० करोड़ रुपये है और इसे दो साल के भीतर वर्ष २०२८ तक पूरा किया जाना है। सेतु निगम के परियोजना प्रबन्धक रोहित मिश्र ने बताया कि आरओबी निर्माण के लिए अभी मशीनों के सहारे पाइलिंग-फाउण्डेशन का काम किया जा रहा है। करीब एक सप्ताह बाद पिलर बनाने का काम शुरू कराया जायेगा।

आरपीएफ ने प्रधानों, महिलाओं और बच्चोंको किया जागरूक

रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज रामबाग द्वारा अपराधियों पर नकेल कसने के लिए क्षेत्राधिकार में निगरानी के साथ ही जागरूकता अभियान चलाया गया।

रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक, प्रयागराज रामबाग डी एस यादव एवं टीम द्वारा क्षेत्राधिकार स्थित रेलवे स्टेशन हाण्डिया खास, रामनाथपुर, बूँसी, केरू संख्या- ६७ बी, ६५ एसपीएल, ६३ सी, ६२ ए पर,स्थानीय ग्रामा प्रधान, ग्रामवासियों, महिलाओं एवं बच्चों को विभिन्न विषयों पर जागरूक किया। बताया गया कि किसी के द्वारा भी रेलवे लाइन पर पत्थर अथवा अन्य कोई चीज ना रखें, जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ट्रेनों पर पत्थर ना फेंका जाय, इसके गम्भीर परिणाम हो सकते हैं, एक ओर जहां पत्थर लगने से किसी यात्री को गम्भीर चोट अथवा मृत्यु हो सकती है। रेलवे ट्रैक को सिर्फ समभार के रास्ते से पार करें, अन्य स्थानों से पार करना एक ओर जहां बड़े हादसे का कारण बन सकता है। अपने भवेशियों को खुले में ना

पांच वर्ष तकका कोई भी बच्चा टीकाकरणसे वंचित न होने पाये-सीडीओ

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के संन्ध में अन्तर्विभागीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उप श्रमायुक्त, अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर सीडीओ ने कड़ी

नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश किया। उन्होंने कहा कि ० से ५ वर्ष तक का कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित रही रहना चाहिए। सीडीओ ने जोर देते हुए कहा कि बच्चों को गम्भीर

प्रदर्शनरत छात्रों में सतेंद्र यादव, चंद्र शेखर अधिकारी , विनीत चतुर्वेदी, राहुल पाण्डेय, अंकित चौधरी शम्मी कुमारी, प्रीति राव, प्रवीण तहियार, सिंधु, सोनम, सुष्मा वर्मा, अनामिका, प्रीति, मनीषा, कार्तिकेय, कमलेश, लवकुश आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

रसोई के बाहर थे। तत्काल दोनों को हटाया गया। फायरकर्मों राकेश तिवारी ने बताया कि सिर्फ रसोई घर में ही लगी थी। संयोग ही था कि सिलिंडर फटने के बाद आग विकराल नहीं हुई, अन्यथा बड़ा नुकसान हो जाता।

सफाई कर्मियोंने नगर निगमके नोटिस बोर्डपर चस्पा किया मांग पत्र

एक्टू से जुड़े सफाई मजदूर एकता मंच के सफाई कर्मचारियों ने १४ सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार दूसरे दिन बुधवार को नगर निगम में धरना प्रदर्शन किया। फिर पत्थर-गिरजाघर होते हुए सिविल लाइंस सुभाष चौराहे तक जुलूस निकालकर अपना विरोध प्रकट किया। आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा तानाशाही रवैया अपनाने हुए प्रदर्शनरत युनियन द्वारा १४ सूत्रीय मांग लेने के लिए कोई सफाई अधिकारी भी नहीं गया न ही मिला। जिससे युनियन के प्रतिनिधियों द्वारा नगर निगम के नोटिस बोर्ड पर अपना ज्ञापन चस्पा दिया गया। अब ४८ घंटे बाद कर्मचारी युनियन को वार्ता पर नहीं बुलाए जाने पर अनिश्चितताकालीन हड़ताल की जाएगी। इसकी घोषणा धरना प्रदर्शन में युनियन के नेताओं ने की। धरना-प्रदर्शन में मंच के अध्यक्ष बलराम पटेल , उपाध्यक्ष रोशनी लता, उपाध्यक्ष अक्षय कुमार, कोषाध्यक्ष राजवंद्र पटेल , उपसचिव प्रेमचंद, सदस्य राम अजोपाल, अनिरुद्ध पाल, रोशन, अजय कौशिक, ज्ञान देवी, रीता, गायत्री, मीना इत्यादि रहे।

पूर्व पार्षद राजेश निषाद बने भाजपा पिछड़ा मोर्चाके महानगर अध्यक्ष

पूर्व पार्षद राजेश निषाद उर्फ पप्पू निषाद को भाजपा पिछड़ा मोर्चा का महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजेश ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता सहित प्रदेश संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने दायित्व का भली भाँति निर्वहन करने का भरोसा दिलाया। कहा कि यह समय पिछड़ी जाति अच्चा स्वर्णिम समय है।

मौडिया प्रभारी पत्र श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि राजेश निषाद प्रयागराज के धार्मिक क्षेत्र दारागंज के निवासी पूर्व पार्षद और भाजपा के कई अन्य दायित्व का निर्वाह करने वाले तेज तर्रार बरिष्ठ भाजपा नेता हैं। सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पहुंचकर मिष्ठान खिलाते हुए उनका मात्स्यार्पण कर

चरायें अन्यथा वे बेजुबान रेलवे ट्रैक पर आकर किसी ट्रेन की चपेट में आ सकते हैं। अतावश्यक रूप से खतरे की जंजीर का प्रयोग न करें। इस अभियान स्थानीय पुलिस थाना

कुष्ठ रोग विभागके पास फेंक रहे मेडिकल कचरा,दुर्गन्धमें परेशानी

बेली अस्पताल से निकलने वाल कचरे को परिसर में ही स्थित कुष्ठ रोग विभाग के पास फेंका जा रहा है।इस कचरे से उठने वाली दुर्गंध के कारण विभाग के कर्मचारियों का दम्रत में बैठना दुश्पर हो गया है। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि विभाग के लगभग २५ कर्मचारियों में से कई कर्मचारी इस बदबू से बचने के लिए जानबूझकर फील्ड ड्यूटी का विकल्प चुन रहे हैं। कुष्ठ रोग विभाग की ओर से इस कूड़े को हटवाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कई बार पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

पेयजल गुणवत्ताके लिए रेलवे ने करायी ४५,९४ जल नमूनों की जांच करायी ४५,९४ जल नमूनों की जांच को ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल द्वारा संचालित जल गुणवत्ता निगरानी अभियान के अंतर्गत एक माह में कुल ४,५९४ जल नमूनों की जांच की गयी। इनमें ४,१४० अवशेषक कोरीोन, ३५० बैक्टैरियोलॉजिकल तथा १७ केमिकल एनालिसिस के नमूने शामिल हैं।मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने कहा कि यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना मंडल की प्राथमिक जिम्मेदारियों में से एक है। पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखनेके लिए नियमित जांच एवं सतत निगरानी की प्रभावी व्यवस्थाकी गयी है।

उड्डयनके क्षेत्रमें करियरके अवसरोंके बारेमें किया जागरूक

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप और छात्रों के सुनहरे भविष्य को दिशा देने के उद्देश्य से,आज भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण प्रयागराज एयरपोर्ट द्वारा झलवा स्थित एक पब्लिक स्कूल में एक विशेष ‘एविएशन करियर हाइडेंस प्रोग्राम’ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विशेष रूप से विज्ञान संकाय के कक्षा ११ और १२ के छात्रों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उड्डयन क्षेत्र में बेहतरीन करियर के अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाना रहा। इस सत्र में कर्मशियल पायलट, एयर ट्रैफिक कंट्रोल,

एविएशन सिक्योरिटी और एयरक्राफ्ट मेटेनेंस इंजीनियरिंग जैसे महत्वपूर्ण करियर विकल्पों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गयी।

कार्यक्रम के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक नवनीत कुमार गुप्ता ने छात्रों को एविएशन सेक्टर की बारीकियों तथा इसमें मौजूद अपार सम्भावनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर उनके साथ एयरपोर्ट के अन्य बरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे और उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का सुचारु संचालन प्रयागराज एयरपोर्ट के मानव संसाधन विभाग के असिस्टेंट मैनेजर आशीष कुमार कुशवाहा ने किया।

लालगोपालगंज के युवक की लुधियाना में संदिग्ध दशा मौत

परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका, पुलिस जांच पर टिकी निगाहें

लालगोपालगंज (प्रयागराज)। कब्र के दानियालपुर निवासी एजाज फारूकी पुत्र बब्बू फारूकी की पंजाब के लुधियाना में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। होटल के कमरे में उसका शव पंखे से लटका मिला। घटना के बाद होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सामने आयी है। परिजनों और पड़ोसियों ने युवक की मौत को लेकर हत्या की आशंका जतायी है। हालाँकि, मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार, एजाज करीब पांच वर्ष पहले सऊदी अरब में ड्राइवर् का काम करता था। वहां से लौटने

के बाद वह मुंबई चला गया और वाहन चलाने लगा। बताया जा रहा है कि किसी काम से लुधियाना पहुंचने पर वह एक होटल में ठहरा था। इसी दौरान कमरे में उसका शव मिला। होटल कर्मचारियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव बरामद किया। मृतक के पर्स में मिले कागजात के आधार पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिवार के लोग लुधियाना पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया, जहां बुधवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। होटल की सीसीटीवी फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को जांच के लिहाज से अहम माना जा रहा है। हालाँकि,

श्रीराम कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्तिमय हुआ पण्डाल

रामकथा के तीसरे दिन कथावाचिका शाकाम्भरी द्विवेदी ने दिया मर्यादा और सदाचार का संदेश

घूरपुर (प्रयागराज)। नारीबाी क्षेत्र के प्राबन बड़ी जुही में शारदीय नवरात्र के प्रथम अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथावाचिका शाकाम्भरी द्विवेदी ‘मानस मंजरी’ ने श्रीराम कथा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, भक्ति, सेवा और सदाचार का संदेश दिया। कथा सुनकर श्रद्धालु भक्तिभाव में डूब गये।

कथावाचिका ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को अपनाकर जीवन में धर्म, संस्कार और सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने आचरण



को स्थान देने के लिए प्रेरित किया। कथा के दौरान पूरा पण्डाल जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। बड़ी संख्या में मर्यादा, सेवा और नैतिक मूल्यों

परमार्थ त्रिवेणी पुष्प में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नैनी (प्रयागराज)। शारदीय नवरात्र के अवसर पर अरैल घाट स्थित परमार्थ त्रिवेणी पुष्प परिसर में भव्य डांडिया-गरबा नाट्य का आयोजन किया गया। दिन प्रज्वलन कर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हवन-पूजन के बाद शुरू हुए सांस्कृतिक आयोजन में भक्ति, संगीत और नृत्य का अनूठा संगम देखने को मिला। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने डांडिया और गरबा की धुनों पर उसाहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अभिनेत्री श्वेता सिंह चौहान की प्रस्तुति रही। उन्होंने माता के भजनों और गरबा गीतों पर शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को झुमे पर मजबूत कर दिया। परिश्रम तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

आज का मुहूर्त

दिनांक- १५ अक्तूबर २०२६
सम्वत्- २०८३ कन्या राशिस्थ सूर्य दक्षिणायन
ऋतु- शरद
मास- आश्विन शुक्ल पक्ष
तिथि- पंचमी रात्रि ०१.४२ तक उपरान्त षष्ठी
वार- गुरुवार
नक्षत्र- ज्येष्ठा समस्त
योग- सोमपुष्य रात्रि १० बजे तक उपरान्त शोभन
राशि- बुध्दिक
सूर्योदय- ०६.६६ बजे
सूर्यास्त- ०५.४४ बजे
राहुकाल- मध्याह्न ०१.३० से ०३ बजे तक
भद्रा- नहीं है।
मुहूर्त- नामकरण, गोक्रय विक्रय, कर्ममर्दन, नृत्य वाद्य कलाकं, आभरेशन, शल्यधारण, मुकुदमा दायर करना आदि।
विशेष- ललितान व्रत महाराष्ट्र, पूर्ण सिद्ध योग रात्रि ०१.४२ तक, स्कन्दपाता का दर्शन पूजन, आज देवी जी को चंदन का लेप करें तथा अर्लंकार समर्पित करें।

वृद्धाश्रम में लगा स्वास्थ्य शिविर, सात का मोतियाबिंद आपरेशन

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने फल वितरित कर भजन संस्था का किया आयोजन

नैनी (प्रयागराज)। वरिष्ठ नागरिक पखवाड़े के अंतर्गत बुधवार को गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आधारशिला वृद्धाश्रम,

(सीएचसी) के आपरेशन थिएटर में मोतियाबिंद का आपरेशन भी कराया गया।

स्वास्थ्य शिविर में सीएचसी चाका



नेनी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और जरूरत के अनुसार निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। शिविर में सात बुजुर्गों का चाका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

के चिकित्सक डा. संतोष दिवाकर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. संगम लाल विश्वकर्मा, डा. राजेश बघेल, फार्मासिस्ट जय सिंह तथा आटोमैटिस्ट सुमित कुमार गुप्ता और वरुण शेष दुबे ने सहयोग किया। चिकित्सकीय टीम ने वृद्धाश्रम के सभी

फुटेज में क्या दिखाई दिया है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी है। अब पुलिस जांच से ही मौत की परिस्थितियों और कारणों का पता चल सकेगा।

पोषण माह में पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

‘सुपोषित भारत, स्वस्थ भारत’ विषय पर विद्यार्थियों ने दिया पोषण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

हनुमानगंज (प्रयागराज)। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की ओर से पोषण माह के उपलक्ष्य में ‘सुपोषित भारत, स्वस्थ भारत’ विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से पोषण, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बुधवार को प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में इशकों केसरानी ने प्रथम, राजेश यादव द्वितीय, अंचल मिश्रा और आकांक्षा विश्वकर्मा को संयुक्त रूप से तृतीय रही। वहीं, एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अमीषा बिंद को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पाराली जलाने से होने वाले प्रदूषण के प्रति किसानों को करेगा जागरूकता वाहन

हंडिया (प्रयागराज)। पाराली और फसल अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकथाम के लिए जिला प्रशासन ने जागरूकता अभियान शुरू किया है। बुधवार, १४ अक्टूबर को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर हंडिया और प्रतापपुर विकासखंड के लिए रवाना किया। उप कृषि निदेशक ने जिलाधिकारी को बताया कि किसानों को पाराली प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए जनपद के सभी तहसीलों और विकासखंडों के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग तथा वॉल पेंटिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही प्रचार वाहनों के माध्यम से किसानों को फसल अवशेष न जलाने और उसके उचित प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। जिलाधिकारी ने पाराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए किसानों को जागरूक करने पर जोर दिया।

ट्रेन की चपेट में आये घायल सातवीं के छात्र की मौत

फाफामऊ (प्रयागराज)। प्रयागराज के गोहारी रेलवे ओवरब्रिज के पास ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए कक्षा सात के छात्र की बुधवार सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। छात्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, थरवई थाना क्षेत्र के कोरसंड गांव निवासी राहुल कुमार सिंह अपने परिवार के साथ शांतिपुरम में रहते हैं। उनका बड़ा बेटा १७ वर्षीय शशांक सिंह उर्फ बासु दो भाइयों में बड़ा था। उसका छोटा भाई शिवांश १३ वर्ष का है, जबकि बहन संजना की उम्र ११ वर्ष है। शशांक गोहारी स्थित बराने में सड़योग देने वाले सभी लोगों और प्रयागराजवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। नवरात्र के उल्लास से सराबोर शाम ने लोगों को भक्ति और सांस्कृतिक गों से जोड़ दिया।

न्याय की मांग को लेकर दलित परिवार धरने पर बैठा

कौथियारा (प्रयागराज)। जारी चौकी क्षेत्र के बरौटिया में बुधवार को ७५ वर्षीय फूलकली अपने परिवार के साथ घर के सामने धरने पर बैठ गईं। उन्होंने कनक हास्पिटल के संचालक राममिलन कुशवाहा पर मारपीट, मकान में ताला लगाने और फर्जी बैनमा कराने का आरोप लगाया है। महिला के मुताबिक, ७ अक्टूबर को संचालक अपने साथ कई लोगों को लेकर उनके घर पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान परिवार के बच्चों से मारपीट की गयी और मकान में ताला लगा दिया गया। महिला ने जमीन के बैनमो में भी धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। एसडीएम बारा के निर्देश पर हल्का सशक्तोपाल ने धरनास्थल पर पहुंचकर महिला की समस्या सुनी। फूलकली का कहना है कि मकान का ताला खुलने और मामले में न्याय मिलने तक परिवार का धरना जारी रहेगा। आरोपों पर अस्पताल संचालक और पुलिस का पक्ष सामने नहीं आया है।

मदर मेले का आयोजन किया गया। इसमें माताओं और अभिभावकों को महिला सशक्तोपाल, बाल अधिकार, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता के प्रति जागरूक किया गया। मेले में बच्चों की मालाओं, चाचियों और दादियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने,

शक्ति अभियान के उद्देश्यों और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अभिभावकों को जरूरी हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया, ताकि जरूरत पड़ते पर वे सहायता प्राप्त कर सकें। मेले में बच्चों की ओर से हस्तनिर्मित

सैदाबाद (प्रयागराज)। हंडिया थाना क्षेत्र के बीदां गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मांग के ही तीन लोग पर शराब के नशे में गाली-गलौज, लाठी-डंडों से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपितों के खिलाफ प्रार्थमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

पीड़ित गुलाबचंद्र पुत्र शिवधारी के अनुसार, १२ अक्तूबर है रात करीब ११ बजे वह घर के अंदर सो रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के विजय बहादुर, रंजीत कुमार और अजीत कुमार उनके घर के सहन और दरवाजे पर पहुंच गये। तीनों कथित तौर पर पुरानी रंजिश को लेकर शराब के नशे में गाली-गलौज करने लगे। आवाज सुनकर गुलाबचंद्र बाहर निकले और विरोध किया तो आरोप है कि तीनों लाठी-डंडे लेकर उन्हें दौड़ाते लगे।

घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप, तीन के खिलाफ कार्रवाई की मांग

जान बचाने के लिए वह घर के अंदर चले गए, लेकिन आरोपित कथित तौर पर घर में घुस आए और फरेलू सामान में तोड़फोड़ करने के साथ ही लात-धूसों तथा डंडों से उनकी पिटाई की। पीड़ित के मुताबिक, शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचते लगे तो आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। घटना के बाद उन्होंने पुलिस की आपातकालीन सेवा ११२ पर सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपित वहां से जा चुके थे। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।



पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी।

मऊआइमा में घर से नकदी और जेवरात चोरी

पीछे से चढ़कर घर में घुसे चोर, डाग स्वाड और फॉरेंसिक टीम ने जुटाये

साक्ष्य

मऊआइमा (प्रयागराज)। मऊआइमा थाना क्षेत्र के उमरिया बादल गेंदा गांव में मंगलवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। घर के पीछे से चढ़कर अंदर घुसे चोर कमरों में रखे बक्सों और अटैंचियों का ताला तोड़कर नकदी, सोने-चांदी के जेवरात सहित अन्य कीमती सामान

समेत ले गये। बुधवार सुबह घटना की जानकारी होने पर पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने डाग स्वाड और फॉरेंसिक टीम की मदद से जांच-पड़ताल की।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी चंद्रकांती देवी के पति राकेश चंद्र मोयं रोजी-रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य

गांव में ही रहते हैं। चंद्रकांती देवी ने बताया कि मंगलवार रात भोजन करने के बाद वह अपनी बच्चियों के साथ घर के बरामदे में सो गयी थीं। बुधवार सुबह उठने पर कमरों के दरवाजे टूटे मिले। अंदर रखे बक्सों और अटैंचियों के ताले टूटे हुए थे तथा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता के मुताबिक, बक्सों और अटैंचियों में रखे करीब १० हजार रुपये नकद, सोने की एक अंगूठी, चांदी की नौ जोड़ी बिड़िया सहित अन्य कीमती सामान गायब था। इसके बाद उन्होंने पुलिस की आपातकालीन सेवा ११२ पर सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

इस दौरान कल्याणपुर चौकी प्रभारी आयुष सिंह भी पुलिसकर्मीयों के साथ पहुंचे। कुछ देर बाद डाग स्वाड और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा का बनेगा विश्वकोश पहले खंड में तैयार होगी ग्रंथसूची

बूंसी (प्रयागराज)। भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए विश्वकोश तैयार किया जाएगा। बुधवार, १४ अक्टूबर को आयोजित कार्यशाला में इसके निर्माण की रूपरेखा पर चर्चा हुई। इसमें वेदों, पुराणों, साहित्यिक एवं वैज्ञानिक ग्रंथों के साथ जैन, बौद्ध और अन्य भारतीय परंपराओं से जुड़े सूत्र स्रोत संकलित किए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के अनुरूप इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को प्रामाणिक ज्ञान-सामग्री उपलब्ध कराना है। कार्यशाला में आईआईटी, एमएनएनएआईटी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और डीएवी कालेज

सहित विभिन्न संस्थाओं के विद्वानों ने भाग लिया। आयुर्वेद, संस्कृत, इतिहास, अर्थशास्त्र, विज्ञान, तकनीक और पांडुलिपि अध्ययन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि विश्वकोश का पहला खंड ग्रंथसूची के रूप में तैयार करने की योजना है। विद्वानों ने दुर्लभ ग्रंथों के संरक्षण, प्रामाणिकता और शोधपरक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

सूचना-मेरा हाईस्कूल पाराली वर्ष 2005 अनुक्रमांक 1541478 एवं इण्टरमीडिएट वर्ष 2007 अनुक्रमांक 0901870 का अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र वास्तव में खो गया है। सुधाकर पुत्र-नारायण धर पाण्डेय ग्राम-जरवंत पो-धोबहा तह.-हण्डिया प्रयागराज

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम अमित त्रिपाठी पुत्र प्रवीण कुमार त्रिपाठी है, जो मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में भी अंकित है। मेरे आधार कार्ड संख्या: XXXX XXXX 7313 में त्रुटिबद्ध मेरा नाम अंकीत त्रिपाठी अंकित हो गया है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम अमित त्रिपाठी पुत्र प्रवीण कुमार त्रिपाठी के नाम से जाना व पहचाना जाए। एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधित औपचारिकताएँ स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण कि गई हैं। अमित त्रिपाठी पुत्र प्रवीण कुमार त्रिपाठी ग्राम प्रभूपुर चहानिया, पोस्ट-सकलंडीहा, जनपद चंदौली, उ. प्र. 232109

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम शिवा शर्मा पुत्र गुनू शर्मा है जो कि उसके शैक्षणिक अभिलेख में दर्ज है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार सं. XXXX XXXX 7153 में उसका नाम वीरू अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम शिवा शर्मा पुत्र गुनू शर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाए। एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधित औपचारिकताएँ स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं। गुनू शर्मा पुत्र स्व राम लखन शर्मा निवासी ग्राम. दुधरा, पो. उरुवा बाजार जनपद गोरखपुर उ. प्र. 273407

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम कु. माया सरोज पुत्री राम खेलावन है जो कि मेरे शैक्षणिक अभिलेख में दर्ज है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं. XXXX XXXX 5249 में मेरा नाम माया देवी अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम कु. माया सरोज पुत्री राम खेलावन के नाम से जाना व पहचाना जाए। एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधित औपचारिकताएँ स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण कि गई हैं। कु. माया सरोज पुत्री राम खेलावन ग्राम-मिर्वाड़ का पूरा थरवई पो. - जैतवरडीह, जनपद इलाहाबाद उ. प्र. 211013

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम मनोवर् अली पुत्र आशिक अली है जो कि मेरे परिवार रजिस्टर, राशन कार्ड, बैंक कार्ड एवं पासपोर्ट में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं. XXXX XXXX 9131 में मेरा नाम मजुबूर अली अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम मनोवर् पुत्र आशिक अली के नाम से जाना व पहचाना जाए। एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधित औपचारिकताएँ स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं। मनोवर् अली पुत्र आशिक अली ग्राम मुबारकपुर, पो0 उरुवा बाजार तहसील गोता जनपद गोरखपुर 3030 273407

फॉर्मेट सी-1

(समाचार पत्रों, टी.वी. में प्रकाशन हेतु अभ्यर्थियों के लिए)

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार) (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बानाम भारत संघ और अन्य)

अभ्यर्थी का नाम और पता:

राजनैतिक दल का नाम:

(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां “निर्दलीय” लिखें)

निर्वाचन का नाम:

निर्वाचन क्षेत्र का नाम: इलाहाबाद -

मैं मान सिंह (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूँ:

(क) लंबित आपराधिक मामले -

क्र.	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शॉ) की तारीख (खं)	मामले की सं. एवं तारीख	मामले (लो) की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (एँ) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	मु0आ0सं0-0354/2021 धारा 171(ग), 171B, 171E, 171F, 123 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम PS मेजा, जिला-प्रयागराज
2.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	मु0आ0सं0-0086/2025 धारा-189(2), 292, 329(3) BNS PS बारा, जिला-प्रयागराज

(ख) आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण -

क्र.	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शॉ) की तारीख (खं)	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण	अधिकतम अधिरोपित दंड
1.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

*राज्य सभा के निर्वाचन या विधान सभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद् के निर्वाचन के मामले में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।



आज प्रयागराज गुरुवार १५ अक्तूबर, २०२६, सौर २९ अश्विन, सं. २०८३ वि. सुभाषित

चीनका फिर प्रलाप

चीन भारतसे अपने द्विपक्षीय सम्बन्धोंको सामान्य बनानेकी बातें तो करता है, जो उसकी कूटनीतिका हिस्सा है। लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। उसकी कथनी और करनीमें जमीन-आसमानका अन्तर है। इसलिए उसकी किसी भी बातपर विश्वास नहीं किया जा सकता है। चीनने फिर पुराना प्रलाप शुरू कर दिया है और दावा किया है कि लद्दाखकी २८ जगहें उसकी अपनी हैं। चीन लद्दाखको भारतकी ओरसे बनाये गये केन्द्रशासित प्रदेशको भी नहीं मानता है। भारतने इस प्रकरणमें चीनको करारा जवाब दिया है और कहा है कि लद्दाख भारतका अभिन्न अंग है और अलिभाज्य हिस्सा है। भारतने कुछ दिन पूर्व ही लद्दाखमें २८ स्थानोंको आधिकारिक नाम देनेका फैसला किया था। मंगलवारको चीनकी ओरसे इसपर विरोध जताया गया था। भारतने चीनके इस अनर्गल दावेको सिरेसे खारिज कर चीनको दो-टुक जवाब दिया है। इससे सीमा मुद्देपर मतभेद फिर उजागर हुआ है, जो आपसी रिश्तोंमें कटुता उत्पन्न करने वाला है। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि सर्वे आफ इण्डियाके आधिकारिक नक्शेपर लद्दाखके २८ स्थानोंको मानक नाम दिये गये हैं। विगत दो अक्तूबर, २०२६ को भारत सरकारने लद्दाखके २८ स्थानों और भौगोलिक विशेषताओंको सर्वे आफ इण्डियाके आधिकारिक मानचित्रपर मानकीकृत नामोंके साथ दर्ज किया है। इनमें पर्वत, चोटियां, दर्रे, लेशियर, घाटियां, नदियां, झील और अन्य भू-भाग शामिल हैं। इसका उद्देश्य भारतके आधिकारिक नक्शोंमें इन स्थानोंकी पहचानको स्पष्ट और व्यवस्थित करना तथा इनके बारेमें जागरूकता बढ़ाना है। इनमें गोगरा और हाट स्प्रिंग विशेष रूपसे महत्वपूर्ण है। दोनों २०२० को भारत-चीन सैन्य गतिरोधके प्रमुख टकराव वाले क्षेत्रोंमें रहे हैं। इस मामलेमें चीनने जो बयान दिया है, वह स्थान नामकरणका विरोध नहीं है, बल्कि इसके पीछे चीनका पुराना सीमा दावा भी स्पष्टतः दिखायी देता है। भारतने इस पूरे विवादकी अपनी सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखण्डताके स्पष्ट पुनर्पुष्टिकरणके रूपमें देखा है। लद्दाखका मौजूदा विवाद २०२० के सैन्य गतिरोधसे जुड़ा है। गलवान घाटीमें जून २०२० में हुई हिंसक झड़पमें भारतीय और चीनी सैनिकोंकी जान गयी थी। इसके बाद दोनों देशोंने पूर्वी लद्दाखमें बड़े पैमानेपर सैनिक और सैन्य संसाधन तैनात किये थे। लेकिन बादमें कुछ स्थितियां बदलीं लेकिन पूरी सीमाका अन्तिम समाधान अभी नहीं हुआ है। भारत और चीनके बीचपर वास्तविक नियंत्रण रेखाके कई हिस्सोंकी संवेदनशील भौगोलिक और सामरिक स्थितिको देखते हुए भारतको इसमें किसी तरहकी हिलाईसे बचना होगा और मजबूत दबाव बनाये रखना होगा।

लोभ-लापरवाहीका खामियाजा

बिहारके वैशाली जिलेमें मंगलवारकी रात गंगामें नाव डूबनेकी दुर्भाग्यपूर्ण घटनामें १३ लोगोंकी मौत अत्यन्त दुःखद है। मृतकोंमें दस लड़कियां और तीन लड़के हैं जिनकी उम्र छहसे १८ वर्ष बतायी जा रही है। छोटी नावपर क्षमतासे अधिक २० से २५ लोग सवार थे जो राधोपुरमें श्राद्ध भोजमें शामिल होने जा रहे थे। कुछ लोगोंने तैर कर अपनी जान बचायी, जबकि कई लोग लापता बताये जा रहे हैं उनकी तलाश जारी है। डूब रहे लोगोंकी चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग तत्काल पहुंचकर १७ लोगोंको पानीसे बाहर निकाला। सभीको प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकोंने १३ को मृत घोषित कर दिया और तीनको गम्भीर स्थितिमें पटना मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीणोंके अनुसार नावमें छेद था जिसके चलते यह दर्दनाक हादसा हुआ। नावमें पानी भरते ही उसमें सवार लोगोंमें अफरा-तफरी मच गयी। इस दौरान किनारे मौजूद लोग नदीमें कूद पड़े और तैरकर डूब रहे लोगोंको बाहर निकाला लेकिन तबतक बहुत देर हो चुकी थी और १३ लोगोंकी जान चली गयी। घटनापर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीने मृतकोंके परिजनोंकी दो-दो लाख रुपये और घायलोंकी ५० हजार रुपये मददकी घोषणा की है। वहीं बिहारके मुख्य मंत्री सम्राट चौधरीने मृतकोंके परिजनोंको चार-चार लाख रुपयेकी अनुग्रह राशि देनेका निर्दान किया। इस हादसेकी लिए नाविक पूरी तरह जिम्मेदार माना जायगा, जिसने छोटी नावपर क्षमतासे अधिक सवारियोंकी जगह दो जिसके चलते यह लापरवाहीका सफर साबित हुआ। ऐसा अकसर होता है कि नाविक पैसेकी लालचमें नावकी क्षमता सीमा लांघ कर सवारी बैठा लेते हैं। वे खुद तो बच निकलते हैं, क्योंकि वह अच्छे तैराक होनेके साथ अनुभवी भी होते हैं, लेकिन सवारियोंको इसका खामियाजा भुगवाना पड़ता है। ऐसे नाविकोंके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए जो दूसरोंके लिए सबक बने। लोगोंको भी सतर्क रहना होगा।

लोक संवाद

शक्ति उपासनासे नवीन ऊर्जाका संचार

महोदय,-भारत पर्व और त्योहारोंमें देश कल जाता है। यह पर्व हमारे जीवनमें माणों नवीनताका संचार करे हैं और हमें एक नवीन ऊर्जासे भर देते हैं। इन्हीं पर्वोंमें नवरात्र अपने आपमें महान पर्व है, जिसमें शक्ति स्वरूपा मां दुर्गाकी उपासना भी हमारे अन्दर सात्विकताका संचार करती है। वही आदि शक्ति ही सब प्राणियोंमें शक्ति, निद्रा, विद्या, तृप्ति आदि रूपोंमें विद्यमान है। उन्होंने यह सारा जगत् रचया है। उपासनाका अर्थ है समीप और आसनका अर्थ बैठना है। अर्थात् हम जिनकी उपासना कर रहे हैं उनका चिंतन-मनन करें। नवरात्र पर्वपर देवीकी विभिन्न रूपोंमें उपासना भी हमारे भीतर एक नवीन ऊर्जाका संचार कर देती है। यह गुप्त नवरात्र और वासंतिक और शारीय नवरात्र होते हैं। शारीदी और वासंतिक नवरात्र ज्यादा प्रसिद्ध हैं। गुप्त नवरात्रमें भी शक्ति स्वरूपा मां जगदंबाकी उपासना, पूजन, अर्चना हमें मनोबांछित फल प्रदान करती है और शक्तिके बिना न तो हमारा अस्तित्व है और न ही इस संसारका। यह पर्व मांनों हमें यही स्मरण दिलाता है कि कोई अदृश्य शक्ति हैं जिनसे यह सारा संसार व्याप्त और गतिमान है। मार्कण्डेय पुराण अन्तर्गत दुर्गा सप्तमतीमें भगवती दुर्गा और उनकी महिमाका विस्तारसे वर्णन है कि वही शक्ति स्वरूपा देवी दुर्गा दानव शक्तियोंका नाश करती हैं और उन्होंने देवताओंसे स्वयं कहा है कि जब जब दानवीय शक्तियोंका उत्थान होगा अर्थात् अधर्म बढ़ेगा तब अलग-अलग स्वरूपोंमें वही शक्ति स्वरूपा दुर्गा अवतार लेकर असुरोंका विनाश करेगी। भगवान् शिव और पार्वती भी शिव और शक्ति माने जाते हैं। भगवान् रामने भी रावणपर विजय प्राप्त करनेके लिए इन्हीं शक्तिकी उपासना की थी। इस पर्वपर घर-घरमें मां दुर्गाका पूजन अर्चन, मांके सुमधुर गीत, कन्या पूजन, हवनसे मांनों वातावरणमें भी एक नवीन चेतनाका संचार होता है। नारी सम्मान हमारे देशकी संस्कृति रही है। यह पर्व भी हमें यही सीखाता है कि स्त्री हर रूपमें आदरणीय है। यह पर्व देवीकी उपासना पूजन और उनका सतत स्मरणसे हमें अपने भीतर एक नवीन ऊर्जाका संचार करनेका अवसर है। शारीदी नवरात्रिसे ऋतुमें परिवर्तन होने लगता है और प्रकृति सर्दीकी चादसे सिकुड़ने लगती है, ऐसेमें नवरात्रिकी नौ दिनोंकी अवधिमें उपासक संतुलित और सात्विक भोजन ग्रहण कर अपना ध्यान चिंतन और मननमें लगाकर स्वयंको भीतरसे शक्तिशाली बना सकते हैं, जिससे ऋतु परिवर्तनका उनकी सेहतपर बुरा असर नहीं पड़ता। नवरात्रिके नौ व्रत अर्थात् न केवल स्वयंकी मानसिक रूपसे भीतरसे शक्तिशाली बनाया जा सकता है, बल्कि उत्तम स्वास्थ्यकी दृष्टिसे भी इसके कई लाभ होते हैं। मान्यता है कि जो भक्त नवरात्रिका व्रत रखते हैं, वे दूसरोंकी तुलनामें आरोग्य जीवन जीते हैं। दरअसल नवरात्रि व्रतके दौरान लोग गरिष्ठ भोजनसे दूर रहते हैं और फल ग्रहण करते हैं, जिससे बाँड़ी डिटॉक्स होती है, तनावकी समस्या दूर होती है और ल्वचामें निखार भी बढ़ता है। नवरात्रि व्रत रखनेसे शरीरमें अक्रोस्टिल्लका स्तर भी कम हो जाता है। नौ दिनोंतक पूरे संपर्कसे दूर रहने के अप्रत्याप्तिक फायदोंके अलावा पेटको आराम मिलनेसे उसकी सेहत अच्छी होती है, रक्तचाप नियंत्रित होता है, गठिया, अस्थमा, एलर्जी, हृदय रोगोंमें आराम मिलता है, नाँद बेहतर होती है, उम्र लंबी होती है तथा कैंसर, अल्जाइमर जैसी गम्भीर बीमारियोंका जोखिम भी कम होता है। -**अखिलेश कुमार मिश्र, बाराणसी।**

विरोधके अधिकारपर सर्वोच्च टिप्पणी

लोकतंत्र केवल चुनाव कराने, सरकार बनाने और शासन चलानेकी व्यवस्थाका नाम नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति नागरिकोंको अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और सरकारकी नीतियोंपर प्रश्न उठानेकी स्वतंत्रता देनेमें निहित है। दिल्लीमें निर्वाचन प्रक्रियाको लेकर हुए विरोध प्रदर्शनोंके बीच सुप्रीम कोर्टका हस्तक्षेप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

□ महेन्द्र तिवारी

न्या जिस लोकतांत्रिक व्यवस्थामें नागरिक अपनी शिकायतें खुलकर सामने रख सकें, शांतिपूर्ण ढंगसे विरोध कर सकें और अपनी मांगोंके समर्थनमें आवाज उठा सकें, वही व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्योंको मजबूत करती है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन और सार्वजनिक व्यवस्थाके बीच टकरावकी स्थिति पैदा होती है, तब नागरिक अधिकारोंकी रक्षा और कानूनका पालन सुनिश्चित करना प्रशासनके लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। दिल्लीमें निर्वाचन प्रक्रियाको लेकर हुए विरोध प्रदर्शनोंके बीच सर्वोच्च न्यायालयका हस्तक्षेप इसी संदर्भमें महत्वपूर्ण है। १० अक्तूबर २०२६ को दिल्लीमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमारके इस्तीफे और मतदाता सूचीके विशेष गहन पुनरीक्षणको लेकर विरोध प्रदर्शनोंका आह्वान किया गया था। प्रदर्शनकारियों और विपक्षी दलोंने निर्वाचन प्रक्रियामें कथित अनियमितताओंको लेकर सवाल उठाये। उनका आरोप था कि मतदाता सूचीमें बदलावकी प्रक्रियासे कुछ वर्गोंके मतदाताओंके अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर निर्वाचन आयोगने प्रक्रियामें शفافाके आरोपोंको खारिज किया है। सतारूद्ध दलने भी विपक्षके आरोपोंपर आपत्त जतायी है। इसलिए इस पूरे विवादमें आरोपों, आधिकारिक स्पष्टीकरणों और प्रमाणित तथ्योंको अलग-अलग समझना आवश्यक है। प्रदर्शनके मद्देनजर दिल्लीके कई हिस्सोंमें सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गयी। मेट्रो



स्टेशनोंको बंद करने, आवागमन सीमित करने और इंटरनेट सेवाओंपर प्रतिबंध लगाने जैसे कदमोंकी खबरें सामने आयीं। बड़ी संख्यामें लोगोंको हिरासतमें लिये जानेकी सूचना भी मिली। इन कदमोंसे केवल प्रदर्शनकारियोंकी गतिविधियां प्रभावित नहीं हुईं, बल्कि आम नागरिकोंकी आवाजाही, दैनिक कार्रवायों और सार्वजनिक परिवहनपर भी असर पड़ा। ऐसेमें यह प्रश्न उठना स्वाभाविक था कि सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखनेके लिए किये गये प्रबंध किस सीमातक आवश्यक और उचित थे। इसी पृष्ठभूमिमें ११ अक्तूबर २०२६ को सर्वोच्च न्यायालयने विशेष सुनवाई करते हुए अधिकारियोंकी कई महत्वपूर्ण अंतरिम निर्देश दिये। न्यायालयने कहा कि शांतिपूर्ण और निहत्थे लोगोंको कानूनमें निर्धारित प्रक्रियाके बिना हिरासतमें नहीं लिया जाना चाहिए। उसने मेट्रो और रेल सेवाओंको सामान्य रूपसे चलाने, शहरमें यातायात निरुद्ध करने अथीन लोगोंको आवाजाही सुनिश्चित करने तथा इंटरनेट सेनेतक अनिवार्यक रूपसे बाधित न करनेपर जोर दिया। न्यायालयने सूझबूझ लगाये गये अवरोधोंकी तत्काल समीक्षा करने और अदालतोंतक लोगोंकी पहुंच सुनिश्चित करनेके निर्देश भी दिये। इन निर्देशोंके साथ यह स्पष्ट रखा गया कि सार्वजनिक व्यवस्थाकी वास्तविक आवश्यकता होनेपर कानूनके अनुसार उचित

सर्वोच्च न्यायालयके हस्तक्षेपसे संदेश सामने आया है कि सार्वजनिक व्यवस्था और नागरिक स्वतंत्रताको परस्पर विरोधी मानकर नहीं चलना चाहिए। कानूनका उद्देश्य अधिकारोंको समाप्त करना नहीं, बल्कि उनका संरक्षण करते हुए समाजमें व्यवस्था बनाये रखना है। लोकतंत्रकी वास्तविक मजबूती तब दिखती है, जब नागरिक बिना भयके अपनी बात रख सकें, प्रशासन निष्पक्षतासे अपने दायित्व निभाये और न्यायपालिका आवश्यकता पड़नेपर संवैधानिक सीमाओंकी रक्षा करे। विरोधकी आवाज सुनना, असहमतिका सम्मान और कानूनका समान रूपसे पालन सुनिश्चित करना भी उत्तरदायी लोकतांत्रिक व्यवस्थाकी पहचान है।

व्यापक प्रतिबंधोंके कारण आम नागरिकोंको अनावश्यक परेशानीमें डालनेसे बचना चाहिए।

दिल्ली जैसे महानगरमें मेट्रो और रेल सेवाएं केवल यातायातके साधन नहीं हैं। लाखों लोग प्रतिदिन इन सेवाओंके माध्यमसे अपने कार्योंस्थलों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों और अन्य आवश्यक स्थानोंतक पहुंचते हैं। अचानक परिवहन सेवाएं बंद होनेसे विद्यार्थियोंकी पढ़ाई, कर्मचारियोंकी उपस्थिति, मरीजोंकी चिकित्सा और छोटे कारोबारियोंकी आजीविका प्रभावित हो सकती है। इसी प्रकार इंटरनेट सेवाएं आज शिक्षा, बैंकिंग, व्यापार, संचार और आपातकालीन सहायताका महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए इनके व्यापक प्रतिबंधका प्रभाव प्रदर्शन स्थलसे कहीं अधिक दूरतक पहुंचता है।

इस संदर्भमें सर्वोच्च न्यायालयकी भूमिका केवल किसी एक प्रदर्शनको लेकर आदेश देनेतक सीमित नहीं है। न्यायपालिकाका दायित्व यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रशासनिक कार्रवाई संविधान और कानूनके अनुरूप हो। जब नागरिकोंको लगता है कि उनके अधिकार प्रभावित हो रहे हैं, तब न्यायालयसे राहतकी अपेक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्थाका स्वाभाविक हिस्सा है। हालांकि न्यायिक हस्तक्षेपका अर्थ यह नहीं है कि

विकासमें युवा शक्तिका योगदान

विद्यार्थी राष्ट्रकी सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनकी आंखोंमें पलने वाले सपने, मनमें उठने वाले विचार और कर्ममें दिखने वाला संकल्प ही देशके भविष्यकी दिशा निर्धारित करता है।

□ प्रो.मनोज डोगरा

आजके विद्यार्थी हो कलके वैज्ञानिक, शिक्षक, चिकित्सक, प्रशासक, उद्यमी, सैनिक और राष्ट्रनिर्माता हैं। इसलिए विद्यार्थियोंकी प्रतिभाको निखारना, उन्हें सही दिशा देना और उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करना केवल परिवार या शिक्षण संस्थानोंकी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाजका दायित्व है। इसी संदर्भमें विश्व विद्यार्थी दिवसका महत्व और भी बढ़ जाता है। भारतमें १५ अक्तूबरको पूरे राष्ट्रपीत, महान वैज्ञानिक और युवाओंके प्रेरणास्रोत डा. एपीजे अब्दुल कलामकी जयंतीके अवसरपर विश्व विद्यार्थी दिवस मनाया जाता है। इस दिवसका उद्देश्य विद्यार्थियोंके जीवनमें शिक्षा, ज्ञान, अनुशासन, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोणके महत्वको रेखांकित करना है। डा. कलामका संपूर्ण जीवन इस बातका प्रमाण है कि साधारण परिस्थितियोंमें जन्म लेने वाला व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है, बशर्ते उसके पास बड़े सपने देखनेका साहस और उन्हें साकार करनेके लिए निरन्तर परिश्रम करनेका संकल्प हो।

डा. कलामका जीवन विद्यार्थियोंके लिए प्रेरणा- डा. कलामका जीवन संघर्ष, सादगी, अनुशासन और समर्पणकी अनुपम मिसाल है। तमिलनाडुके रामेश्वरमें एक साधारण परिवारमें जन्मे कलामने कठिन परिस्थितियोंके बावजूद शिक्षाके प्रति अपनी लगनको कभी कम नहीं होने दिया। अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियोंके माध्यमसे उन्होंने भारतके अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमोंमें महत्वपूर्ण योगदान दिया। २००२ में वह भारतके राष्ट्रपति बने, लेकिन सर्वोच्च संवैधानिक पदपर पहुंचनेके बाद भी उनका सबसे प्रिय परिचय एक शिक्षकका ही रहा। डा. कलामका विश्वास था कि बच्चों और युवाओंके भीतर देशको बदलनेकी क्षमता है। वह विद्यार्थियोंसे संवाद करते, उनके प्रश्नोंकी प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करनेकी प्रेरणा देते थे। उनका जीवन संदेश देता है कि सफलता केवल संसाधनोंकी प्रचुरतासे नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरन्तर अयास और सकारात्मक सोचसे प्राप्त होती है। आज जब विद्यार्थी परीक्षा, प्रतियर्था और भविष्यकी अनिश्चितताओंके दबावसे गुजर रहे हैं, तब कलामके विचार पहलेतक प्रासगिक हो जाते हैं। विद्यार्थियोंको यह समझना होगा कि असफलता जीवनका अंत नहीं, बल्कि अपनी कमियोंकी पहचानका आगे बढ़नेका अवसर है। शिक्षाका उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, वर्तमान समयमें शिक्षाको अक्सर परीक्षामें प्राप्त अंकों, डिग्रियों और नौकरी हासिल करनेके साधनके रूपमें देखा जाता है। निस्संदेह रोजगार प्राप्त करना शिक्षाका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, लेकिन शिक्षाका वास्तविक लक्ष्य इससे कहीं व्यापक है। शिक्षा व्यक्तिको विवेकशील बनाती है, सही और गलतके बीच अंतर करना सिखाती है तथा समाजके प्रति उसकी जिम्मेदारियोंका बोध कराती है। यदि कोई विद्यार्थी उच्च अंक प्राप्त

नये युगमें पुलिसकी विशेष भूमिका

□ अजय सिंघल

नब्बेके दशकमें, एक ट्रेनी आईपीएस अधिकारीके तौरपर जब मैं पहली बार किसी थानेमें गया तो मुझे आज भी अच्छेसे याद है कि वहां मुंशी डेड कॉन्टेबलके हाथसे लिखा रोजनामका (रजिस्टर), टेबलपर रखा काले रंगका भारी-भरकम डायल वाला लैंडलाइन फोन, जिसकी रिंगटोन अंग्रेजी मजरीसे सुनाई देती थी और फीडबैक में जानेको तैयार कुछ बीट कॉन्टेबल। तब पुलिस दक्षता इस बातसे आंकी जाती थी कि पुलिस कितनी जल्दी मौकेपर पहुंची और कितने लोगोंकी गिरफ्तार करायी पर बोते तौन दशकोंमें अंग्रेजोंके जमानेकी पुलिसके मॉडलका नजिया पूरी तरहसे बदल गया। सरकारने अंग्रेजोंकी तुलामीके जमानेके सीआरपीसी १८६१ जैसी अपराधकी भाषाओंको बदल १ जुलाई, २०२४ से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नगरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय वाक्ष्य अधिनियम (बीएसए) जैसे तीन नये अपराधिक कानून लाकर देशकी कानून व्यवस्थामें एक क्रांतिकारी बदलाव किया।

साथ ही टेक्नोलॉजी आधारित नये दौरकी पुलिसने जन-सुरक्षाको और अधिक मजबूत करनेकी दिशामें खुफिया जानकारी, डाटा और सामुदायिक जरूरतोंका लक्ष्य नये सिरेसे तय किया कि अपराधियोंपर कार्रवाईके अलावा पुलिसको अपराध घटित होनेसे पहले ही कैसे रोकने हैं। परम्परागत पुलिसिंग अब टेक्नोलॉजी आधारित अपराध निवारककी भूमिकाका ओर तेजीसे बढ़ रही है। हरियाणा में ११२ डायल करके कोई भी व्यक्ति इस एक नंबरसे ही पुलिस, अग्निशमन और स्वास्थ्य सेवाओंतक पहुंच सकता है।

जो व्यक्ति किसीसे धन एवं सामग्रीकी सहायता लेनेके पश्चात अपने दिये हुए वचनका पालन नहीं करता तो वह संसारमें सबसे अधिक निकृष्ट माना जाता हैं। □ **हितोपदेश**

६

किसी विवादमें एक पक्षके सभी आरोप स्वतः सिद्ध हो गये। न्यायालयके अंतरिम निर्देश, प्रारंभिक टिप्पणियां और अंतिम निर्णय अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। दिल्लीके मामलेमें भी अधिकारियोंसे जवाब और अनुपालन संबंधी विश्वसनीयताका महत्वपूर्ण इसलिए अंतिम निकर्ष तथ्यों, प्रस्तुत साक्ष्यों और आगेकी न्यायिक प्रक्रियाके आधारपर हो निकाला जाना चाहिए।

निर्वाचन प्रक्रियासे संबंधित विवादका एक व्यापक पक्ष जनताका विश्वास है। चुनाव लोकतंत्रकी बुनियादी प्रक्रिया है और मतदाता सूची उनकी विश्वसनीयताका महत्वपूर्ण आधार है। मतदाता सूचीका पुनरीक्षण आवश्यक हो सकता है, क्योंकि समयके साथ मृत्यु, स्थान परिवर्तन और अन्य कारणोंसे अभिलेखोंमें बदलाव करना पड़ता है। लेकिन इस प्रक्रियामें किसी पात्र नागरिकका नाम गलत तरीकेसे हटना उसके मताधिकारको प्रभावित कर सकता है। इसलिए सूचीमें संशोधन करते समय पारदर्शिता, स्पष्ट मानदंड, उचित सूचना और शिकायतोंके निवारणकी प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। राजनीतिक दलों और नागरिकोंकी आपत्तियोंका समाधान प्रमाणोंके आधारपर होना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन भी लोकतंत्रमें संवादका माध्यम हैं। नागरिक जब किसी निर्णयसे असहमत होते हैं तो शांतिपूर्ण ढंगसे अपनी मांग रखना उनका संवैधानिक अधिकार है। साथ ही प्रदर्शन आवोजित करने वालोंका दायित्व है कि वे कानूनका पालन करें, हिंसासे बचें और दूसरे नागरिकोंके अधिकारोंका सम्मान करें। प्रशासनको भी प्रदर्शनकारियोंके साथ संवाद स्थापित करना चाहिए, ताकि तनाव कम किया जा सके और सार्वजनिक सुविधाएं बाधित न हों। दोनों पक्षोंकी जिम्मेदारी और संयमसे ही ऐसी परिस्थितियोंका समाधान संभव है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि लोकतांत्रिक असहमतिको केवल कानून-व्यवस्थाकी समस्याके रूपमें न देखा जाय। असहमति किसी भी जीवंत लोकतंत्रका स्वाभाविक अंग है। उसी प्रकार हर विरोधको स्वतः उचित मान लेना भी पर्याप्त नहीं है। उसकी प्रकृति, उद्देश्य और तरीकेका मूल्यांकन कानून तथा तथ्योंके आधारपर किया जाना चाहिए। सरकार, प्रशासन, निर्वाचन आयोग, राजनीतिक दल और नागरिक समाज सभीकी भूमिका महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालयके हस्तक्षेपसे एक बार फिर यह संदेश सामने आया है कि सार्वजनिक व्यवस्था और नागरिक स्वतंत्रताको परस्पर विरोधी मानकर नहीं चलना चाहिए। कानूनका उद्देश्य अधिकारोंको समाप्त करना नहीं, बल्कि उनका संरक्षण करते हुए समाजमें व्यवस्था बनाये रखना है। लोकतंत्रकी वास्तविक मजबूती तब दिखाई देती है, जब नागरिक बिना भयके अपनी बात रख सकें, प्रशासन निष्पक्षतासे अपने दायित्व निभाये और न्यायपालिका आवश्यकता पड़नेपर संवैधानिक सीमाओंकी रक्षा करे। विरोधकी आवाज सुनना,



ध्यानकी प्रक्रिया

□ ओशो

ध्यानका अर्थ है, एक ऐसी अवस्था, जब जाननेको कुछ भी नहीं बचा। सिर्फ जानने वाला ही बचा। उससे छुटकारा कोई उपाय नहीं है। लाख भागो पहाड़ोंपर और रेगिस्तानोंमें, चांद-तारोंपर, लेकिन तुम्हारा जानने वाला तुम्हारे साथ होगा। क्योंकि वह तुम हो, वह तुम्हारा अस्तित्व है। रोज घड़ीपर, कभी भी सुबह या सांझ या दोपहर, इस अनूठे आयामको देना शुरू कर दो। बस आंख बंदकर बैठ जाओ। जब मैं कहता हूँ कि घड़ी आधा घड़ीको आंख बंद करके बैठ जाओ तो तुमसे मैं यह कहा रहा हूँ कि घड़ी आधा घड़ीको दूसरोंकी भूल जाओ। चौबीस घंटे पड़े हैं। तेईस घंटे सारे संसारको दे दो, बाजारको दे दो, दुकानको दे दो, मकानको दे दो, जिसको देना हो, उसको दे दो। लेकिन क्या तुम इतने भी अधिकारी नहीं हो कि एक घंटा अपने लिए चौबीस हो। शायद चौबीस घंटा बचना बहुत मुश्किल है एक घंटा बचना आसान हो सकता है। फिर मैं तुमसे यह भी नहीं कहता कि इस घंटेको बचानेके लिए तुम हिमालयकी किसी गुफामें बैठो। तुम्हारा घर पर्याप्त है और सबसे ज्यादा आसान जगह है। क्योंकि किनारे को भी है, उससे तुम्हें परिचय है और एक घंटेके लिए उस सबको भूल जाना कठिन नहीं है। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसो, जल्दी ही वह घड़ी आ जाती है कि तुम चुपचाप बैठे हो रहते हो। मूर्तियां आंखों, मार स लेना उममें, न पक्षमें और न विपक्षमें। आने देना और जाने देना। रास्ता है, मनकी राह है, चतुर्ता है। तुम राहके किनारे बैठे देखते रहना और तुम चलित होओगे, संज जीवनके सबसे बड़े रहस्यसे चिकित होओगे कि यदि तुम सक्षी भागसे, जैसे तुम्हें कुछ लेना-देना नहीं कौन जा रहा है, कौन आ रहा है, तुम गुप्तगुप्त चुपचाप सड़कके किनारे बैठे ही रहना। जल्दी ही वह घड़ी आ जायगी कि यह रास्तेकी भीड़ कम होने लगेगी, क्योंकि इस भीड़के रास्तेपर होनेका कारण है, तुमने इसे निर्भरण नहीं दिया है। तुमने अबतक इसका ख्यात किया है। यह बिना बुलाई नहीं है और जब यह देखेगी कि तुम इतनी उपेक्षासे भर गये हो कि तुम लौटकर भी नहीं देखते, कौन आया, कौन गया, अच्छा था या बुरा, सुंदर था या कि असुंदर, अपना था कि परया, यह भीड़ धीरे-धीरे विदा होने लगेगी। ध्यानकी प्रक्रिया बड़ी सरल है।

गश्त दर्ज होती है, क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) पुलिस थानोंको अदालतों, जेलों और फॉरेंसिक सुविधाओंसे जोड़ता है। ई-साक्ष्य सुनिश्चित करता है कि अपराध स्थलका सुबूत बिना बदले असल हालतमें अदालततक सुरक्षित पहुंचे। यहांतक कि गुप्तनाम लोगोंकी भी अब नाम मिल रहा है। एआई सहायक व्यवस्था अज्ञात शवोंके चेहरे और फिंगरप्रिंटको लापता व्यक्तियोंके डटाबेससे मिलती है, जिससे सालोंसे गुप्त अपनोंका इंतजार कर रहे परिवारोंकी सुकून मिलता है। पुलिसके डिजिटल डैशबोर्ड दिखाते हैं कि कहां शिकायतें अनसुनी पड़ी हैं, ताकि संबंधित पुलिस कर्मचारी जवाबदेही तय हो।

दुर्घटनाका डाटा 'हीट मैप' में बदल गया है, जो इंजीनियरोंको दिखाता है कि कहां किसी सड़कके तीखे मोड़को नये सिरेसे डिजाइन करना है, ताकि दुर्घटनाके समय 'गोल्डन ऑर्ब' घटानेमें मदद मिले। मोटरवेपर नंबर-प्लेट पहचान कैमरे लगातार स्थितिपर नजर रखते हैं और भागने वाले वाहनोंका ट्रैकिंग रिकॉर्ड भी बनाते हैं। 'हरसमय' नामका पोर्टल नागरिकोंको एकआईआरकी कॉपी या सत्यापन प्रमाणपत्रके लिए लम्बी लाइन लगानेमें लगनेसे बचाता है, थानेके काउंटरपर क्यूआर कोड फीड्बैक हर नागरिकको अपनी राह साझी करनेका मौका देता है। पुलिसकी कार्यशैलीमें बड़ा सुधार सर्वर रूप या किसी सॉफ्टवेयरसे कहीं आगे पुलिसके मानवीय व्यवहारपर टिका है। तेजीसे बदलती दुनियामें नये दौरकी पुलिसका प्रदर्शन केवल इस बातसे नहीं आंका जा सकता कि पुलिसने टेक्नोलॉजी आधारित कितने ऐप लांच किये, बल्कि पुलिसकी दक्षता इस बातसे आंकी जा रही है कि कितने अपराध होनेसे पहले ही रोक दिये गये।

(लेखक हरियाणामें पुलिस महानिदेशक हैं।)

पानी लेने उतरे चालक की कार लेकर युवक फरार, केस दर्ज

चायल,कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के काजीपुर चौराहे पर सोमवार शाम पानी लेने के लिए उतरे चालक को कार लेकर उसमें बैठे युवक फरार हो गए। वापस लौटने पर कार गायब देख चालक के होश उड़ गए। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का पता नहीं चलने पर चालक ने पुलिस को तहरीर देकर दो लोगों पर कार चोरी करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रयागराज जनपद के एयरपोर्ट क्षेत्र के हरियरा मजरा गौसपुर कटहुला

शराब पीने के बाद गाली-गलौज, विरोध पर युवक को पीटा

करारी,कौशाम्बी। करारी कोतवाली क्षेत्र के तियरा जमालपुर गांव में शराब पीने के दौरान गाली-गलौज के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अपने साले समेत दो लोगों पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया

उच्च प्राथमिक विद्यालय नूरपुर में मिशन शक्ति का हुआ आयोजन
चायल,(कौशांबी)। मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय नूरपुर हाजीपुर में कक्षा ८ की छात्रा सधना को विद्यालय में प्रधानाध्यापक के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया। प्रधानाध्यापक ने विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बच्चों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर ईंचाज प्र. अ. राजकुमार , सहायक अध्यापक राजेश एवं समस्त बालक बालिकाएं मौजूद रहे।

फांसी के फंदे से लटका मिला किशोरी का शव
कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के फरीदपुर संवरो गांव की एक किशोरी का शव मंगलवार रात घर की छत पर बने छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटकता मिला। उसने खुदकुशी की या और कोई घटना हुई, फिलहाल यह साफ नहीं है। किशोरी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है।

फरीदपुर संवरो निवासी पूजा (१७) पुत्री स्व. नन्हई सरोज पट्टई के साथ घर के कामों में मां का हाथ बंटाती थी। मंगलवार को वह सुबह से ही अनबन थी। परिजनों ने उदासी का कारण भी पूछा, लेकिन उसने किसी को कुछ नहीं बताया। रात को अचानक वह ऊपर चली गई। काफी देर तक नीचे नहीं आई तो परिवार वाले छत पर गए। वहां का नजारा देख उनकी चीख निकल पड़ी। किशोरी का शव छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटक रहा था। शोरगुल सुन मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने छानबीन करते हुए मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फील्ड यूनिट ने भी साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की। किशोरी की मौत के बाद से परिवार वालों के आँसू थामे नहीं थम रहे हैं। मामले को लेकर थानेदार से बात किया गया तो उनका कहना है, कि मृतक के परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दिया है, अगर कोई तहरीर मिलती है, और पीएम रिपोर्ट आती है, तो आगे विधिक कार्रवाई किया जायेगा।

भगवान श्रीराम ने किया ताड़का वध एवं फुलवारी लीला

चायल,सराय अकिल, कौशाम्बी नेवादा विकास खंड के नूरपुर हाजीपुर गांव के मेला मैदान में आयोजित रामलीला के चौथे दिन मंगलवार को मंचन के दौरान कलाकारों ने अद्भुत अभिनय से दर्शकों की मंत्रमुग्ध कर दिया। लीला के दौरान प्रधु श्रीराम द्वारा ताड़का वध सुबाहू-मारीच वध और जनकपुर में नगर दर्शन व फुलवारी लीला का सजीव मंचन किया गया जिसे देखने के लिए मेला मैदान में भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

लीला की शुरुआत में महामुनि विश्वामित्र राजा दशरथ से अनुपति लेकर श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ आश्रम की ओर ले जाते हैं। मार्ग में मुनि ने श्रीराम को भयंकर राक्षसी ताड़का और उसके पुत्रों सुबाहू व मारीच के आतंक के बारे में बताया जो यज्ञ-हवन में बाधा डालते थे। विश्वामित्र के निर्देश पर श्रीराम उसी मार्ग से गुजरे जहां ताड़का का डेरा था। श्रीराम को देखते ही क्रोध में भरी ताड़का उन पर झपटी लेकिन प्रधु श्रीराम ने एक ही बार में उसका वध कर दिया। बाण लगते ही ताड़का पृथ्वी पर गिर पड़ी। इसके बाद ताड़का के वध की सूचना मिलते ही उसके पुत्र सुबाहू और मारीच ने क्रोधित होकर आक्रमण किया जिन्हें भी श्रीराम ने मार गिराया। असुरों के वध से पूरा मेला मैदान जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। इसके उपरांत कलाकारों ने फुलवारी लीला और जनकपुर दर्शन का मनमोहक मंचन किया। मुनि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर श्रीराम और लक्ष्मण नगर दर्शन के लिए निकले जिनके पीछे पूरा जनकपुर उमड़ पड़ा। माता सीता अपनी सखियों के साथ पुष्प वाटिका

निवासी अजय कुमार पुत्र पप्पू ने बताया कि वह कार चालक है। गांव के ही रामबाबू की मजदूरी पर कार चलता है। बताया कि सोमवार को वह कार लेकर निकला था। उसके कार मालिक की ओर से रमेश पटेल पुत्र कृष्णा प्रसाद निवासी रतगहॉ ने चरवा ने घूमने के लिए वाहन बुक कराया था। शाम करीब सात बजे वह प्रयागराज से सवारी लेकर उज्जिहनी गांव पहुंचा। वहां सवारी छोड़ने के बाद वापस लौट रहा था। इसी दौरान काजीपुर चौराहे पर ससने कार खड़ी की और पानी लेने चला गया। आरोप है कि इसी

है। शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिक की दर्ज कर ली है। तियरा गांव के दिलीप कुमार हेलन के अनुसार, १२ अक्तूबर की शाम करीब सात बजे उसके घर पर साला गुड्डन हेलन और ओसा निवासी गोल्डू रैदास पहुंचे थे। इसके बाद तीनों ने साथ बैठकर शराब पी। आरोप है कि नशे में धुत होने के बाद दोनों गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाल-धूसों और डंडों से पिटाई कर दी। मारपीट से दिलीप को चोटें आईं। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मां कृष्माण्डा स्वरूप की भक्तों ने की पूजा



कड़ा स्थित मां शीतला मंदिर में दर्शन के लिए कतार में लगे लोग ।
कड़ा,कौशाम्बी। नवरात्रि के चौथे दिन कड़ा धाम में सुबह से ही श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और चौथे दिन मां कुष्मांडा के स्वरूप के दर्शन को भारी संख्या में श्रद्धालु भक्त कड़ा धाम पहुंचे पुराणों के अनुसार मां दुर्गा का चौथा भव्य स्वरूप मां कुष्मांडा का माना जाता है किदवर्ती के अनुसार जब चारों ओर अंधेरा छाया हुआ था तो मां कुष्मांडा ने अपनी मधुर मुस्कान के द्वारा ही संसार की उत्पत्ति की थी इसलिए इनको आदि स्वरूपा और आदि शक्ति देवी भी माना जाता है इनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भक्तों को इनका पूजन बड़े ही विधि विधान से करना परम आवश्यक माना जाता है मान्यता है की मां कुष्मांडा की पूजा करने से भक्तों को अजेय रहने का आशीर्वाद मिलता है मां कुष्मांडा की फाट घुमाए हैं और उनके हाथों में क्रमशः कमंडलु, धनुष, बाण, कमल पुष्प,कलश चक्र और गदा विराजमान है तथा आठवीं हाथ में सभी सिद्धिदां और निधियों को देने



नूरपुर गांव में रामलीला में मंचन करते कलाकार।

पहुंचती है। वाटिका में फूलों के बीच श्रीराम पर जब सीता की नजर पड़ती है तो वह उन्हें निहारती रह जाती हैं। तभी आकाशवाणी होती है -हे सीता जिसे तुम देख रही हो, वही तुम्हारे वर है। इस दृश्य को देखकर दर्शक भाव-विभोर हो गए और पंडाल जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों के साथ-साथ रामलीला कमेटी के पदाधिकारी और पुलिस प्रशासन मुसौद नजर आया। चौकी लोथरं के सब-इंस्पेक्टर विनोद राय और राहुल कुमार अपने दलबल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालते हुए मौजूद रहे।साथ ही मेला के सभी पदाधिकारी व क्षेत्रीय ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

नगर पंचायत सराय अकिल कस्बे के चावल मंडी स्थित ऐतिहासिक रामलीला मंच पर मंगलवार को मनु-शतरूपा और रावण जन्म की लीला का भव्य मंचन किया गया। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में कस्बे

बीच कार में बैठे टिकरी गोपालपुर निवासी राजकुमार उर्फ सानू और रमेश आदि मिलकर उसकी कार लेकर फरार हो गए। पानी लेकर वापस आने पर कार मौके पर नहीं मिली। आसपास तलाश करने के बावजूद वाहन और उसमें सवार लोगों का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित चालक ने पुलिस को तहरीर दी। इस संबंध में थाना प्रभारी नागेंद्र कुमार नागर ने बताया की मुकदमा कायम कर लिया गया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है, कि जल्द सुराग लगा लिया जायेगा, और कार को बरामद किया जायेगा।

सड़क हादसे में घायल किसान की मौत

चायल,(कौशांबी)। चरवा थाना क्षेत्र के समसपुर गांव निवासी देशराज के मुताबिक उनके छोटे भाई राजलाल और अंजनी पांडेय सोमवार शाम चरवा स्थित डेयरी में दूध बेचने गए थे। दूध नभाने के बाद वह दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बंदरहाई बाग के समीप तेज रफ़तार बाइक सवार ने सामने से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों ने राजलाल को इलाज के लिये पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था जहां उसकी मौत हो गई, जबकि अंजनी पांडेय घायल हो आए हैं। मृतक के बड़े भाई की वहरीर पर पुलिस ने मनोरी गांव निवासी सिक्का पुत्र रामसिंह सरोज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवरात्र के चौथे दिन मां शीतला के दरबार में उमड़ा भक्तों का सैलाब

कड़ाधाम, कौशाम्बी। शक्तिपीठ कड़ाधाम में शारदीय नवरात्र के चौथे दिन बुधवार को मां शीतला के दर्शन-पूजन वेग लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मंगलवार आधी रात से ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने कुबरीघाट, हनुमान घाट और कालेश्वर घाट पर गंगा स्नान किया। इसके बाद मां के दरबार में नारियल, चुनरी और प्रसाद चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं के चलते धाम क्षेत्र में दिनभर चहल-पहल रही। धूप और गमों के बावजूद भक्तों के उत्साह में कमी नहीं दिखी। भोर की मंगला आरती से लेकर रात नौ बजे की शयन आरती तक मंदिर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद,

चुनरी और श्रृंगार की दुकानों से खरीदारी भी की। मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने वेग लिए पुलिसकर्मी तैनात रहे। एंटी रोमियो टीम और एलआइयू ने भी निगरानी की। ड्रोन कैमरों से मेला क्षेत्र को तीन जोन में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखाा गई। एसपी सत्यनारायण प्रजापत के निर्देशन में सीओ सिराथू सत्येंद्र तिवारी और कड़ाधाम इस्पेक्टर महेश सिंह ने पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गंगा घाटों पर पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं को गहरे पानी में स्नान न करने के लिए जागरूक किया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष तीर्थ पुरोहित आत्म प्रकाश पांडेय ने बताया कि नवरात्र में सच्चे मन से मां की आराधना करने वाले भक्तों को सुख-समृद्धि और निरोगी काया का आशीर्वाद मिलता है।

आधी रात घर में घुसे चोर को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में परिजनों ने पकड़ा,७१५० रुपये बरामद

चायल,कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के बड़ी गौहानी गांव में मंगलवार की आधी रात एक मामला सामने आया जहां घर में घुसे चोर को सतर्क परिजनों ने बहादुरी दिखाते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से चोरी की गई पूरी रकम बरामद हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार बड़ी गौहानी निवासी ज्ञानेश्वर चतुर्वेदी पुत्र शिवबाबू चतुर्वेदी का परिवार मंगलवार रात अचान घरो में सो रहा था। रात करीब साढ़े बाह्र बजे घर के अंदर किसी के चलने की आहट हुई जिससे ज्ञानेश्वर की पत्नी की आंख खुल गई। घर में किसी अनजान व्यक्ति की मौजूदगी की आशंका होने पर उन्होंने तत्काल शोर मचा दिया। शोरगुल सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी तुरंत जाग गए। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक अलमारी से रुपये निकालकर तेजी से आंगन की ओर भागने की कोशिश करता हुआ दिखाई दिया। परिजनों ने बिना धबधरा सुझबूझ का परिचय देते हुए घेराबंदी की और उसे मौके पर ही दबोच लिया। पकड़े गए युवक की जब

स्कूल बस की टक्कर से मासूम की मौत, हंगामा

कौशाम्बी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के दलेलागांज गांव में बुधवार की सुबह स्कूल बस ने ढाई बर्षीय मासूम को टक्कर मार दी। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दर्दनाक घटना से गुस्साए परिजनों-ग्रामीणों ने बस चालक को पकड़कर जमककर पीटा। साथ ही घटना स्थल पर ही करीब चार घंटे तक हंगामा भी किया। हालांकि, लिंक रूट पर हंगामे की वजह से यातायात व्यवस्था पर इसका असर पड़ा। बाद में कार्रवाई का आश्वासन देकर सीओ ने मामला शांत कराया। मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है।

दलेलागांज निवासी बालचंद्र किसानी करता है। उनकी बेटी शुभि इलाके के टिकरा गांव स्थित स्व. सुंदर कुमार इंटर कॉलेज में पढ़ती हैं। बुधवार की सुबह स्कूल बस सुभी को लेने घर आई थी। इसी बस ने घर के बाहर खेल रहे सुभी के ढाई बर्षीय भाई अंधि कुमार को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी सांस थम गई। घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने बस चालक को पकड़ लिया। उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। मेडिकल कॉलेज से प्रारंभिक इलाज कर डॉक्टरों ने चालक को एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया है। परिवार वाले व ग्रामीण घटना स्थल पर ही शव रखकर हंगामा करने लगे। वे विद्यालय प्रबंधन पर लापरवाही का इल्जाम लगाते हुए २५ लाख रुपये मुआवजे की मांग कर रहे थे। जानकारी मिलने के बाद डीएसपी कौशाम्बी अरुण कुमार शुक्ला तीन थानों की फोर्स के साथ मौका-ए-बादात पर पहुंचे। लगभग पांच घंटे तक चली मान-मनबल से भी बात नहीं बनी तो डीएसपी ने डांट-फटकार लगाया शुरू किया। तब जाकर पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज सकी।

भरवारी में कीलों की शै्या पर लेटकर महिला कर रहीं कठिन तपस्या

शारदीय नवरात्र में नगर पालिका परिषद भरवारी के अमहा में एक महिला लोहे की कीलों से बनी शैय्या पर लेटकर कठिन तपस्या कर रही हैं। उनकी साधना देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंच रहे हैं। सुबह-शाम पूजा-अर्चना और माता रानी के जयकारों से गांव का माहाल भक्तिमय बना हुआ है।प्रतापगढ़ जिले के पुत्रेमऊ गांव निवासी फाटो उर्फ सुश्वरवी दुर्गा मिश्रा की चार बर्षों से यह साधना कर रही हैं। इस बार वह अपनी बहन शिमला देवी के घर अमहा आई हैं, जहां उनकी तपस्या जारी है।

चुनरी और श्रृंगार की दुकानों से खरीदारी भी की। मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने वेग लिए पुलिसकर्मी तैनात रहे। एंटी रोमियो टीम और एलआइयू ने भी निगरानी की। ड्रोन कैमरों से मेला क्षेत्र को तीन जोन में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखाा गई। एसपी सत्यनारायण प्रजापत के निर्देशन में सीओ सिराथू सत्येंद्र तिवारी और कड़ाधाम इस्पेक्टर महेश सिंह ने पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गंगा घाटों पर पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं को गहरे पानी में स्नान न करने के लिए जागरूक किया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष तीर्थ पुरोहित आत्म प्रकाश पांडेय ने बताया कि नवरात्र में सच्चे मन से मां की आराधना करने वाले भक्तों को सुख-समृद्धि और निरोगी काया का आशीर्वाद मिलता है।

आधी रात घर में घुसे चोर को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने सभी का मन मोहा

तालाशी ली गई तो उसकी जेब से ७१५० रुपये नकद बरामद हुए। गृहस्वामी ज्ञानेश्वर ने बताया कि यह रकम उन्होंने उसी दिन अपनी धियाने की दुकान से लाकर अलमारी में सुरक्षित रखा थी। पुछताछ के दौरान पकड़े गए युवक ने अपनी पहचान नन्हू कुमार निवासी भिखारी का पुरा के रूप में बताई। घटना के तुरंत बाद गृहस्वामी ने यूपी-११२ पर कॉल करके पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों व परिजनों की मौजूदगी में आरोपी को अपने साथ थाने ले आई। पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

भूमिधरी पर कब्जे के विरोध में एसडीएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठा दम्पती



जमीन के विवाद में न्याय के लिए एसडीएम कार्यालय के बाहर बैठा पीड़ित ।

चायल,कौशाम्बी। स्थानीय तहसील क्षेत्र के कोटिया गांव में भूमिधरी पर कब्जे को लेकर विवाद के मामले में बुधवार को एक दंपति एसडीएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए।

दंपति का आरोप है कि सहखतेदार उनकी नींव पर जबरन दीवार बना रहा है। शिकायत के बाद भी मामले में कार्रवाई नहीं की जा रही है।

तिरुहपुर निवासी हरिशंकर सिंह के मुताबिक कोटिया गांव में फोलेन सड़क के किनारे उनकी पत्नी अमिता सिंह की भूमिधरी है। वर्ष २०१९ में उन्होंने उसी भूमि पर मकान निर्माण शुरू कराया था। नींव

राम जन्म होते ही जयघोष से गूँजा रामलीला मैदान गुवारा तैयबपुर की रामलीला में

करारी,कौशाम्बी। गुवारा तैयबपुर की १४३ वर्ष पुरानी ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव में मंगलवार रात पुत्रकामेष्टि यज्ञ, भगवान श्रीराम के जन्म और रावण जन्म की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। इसके बाद मुनि विश्वामित्र के आगमन और ताड़का वध की लीला ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लीला के दौरान संतान प्राप्ति के लिए राजा दशरथ द्वारा पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराए जाने का दृश्य दिखाया गया। इसके बाद महारानी कौशल्या के यहां भगवान श्रीराम का जन्म होते ही रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ राम जन्मोत्सव मनाया और पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। वहीं, लंका में रावण, कुंभकर्ण और विभीषण के जन्म का मंचन भी किया गया। इसके बाद मुनि विश्वामित्र यज्ञ की रक्षा के लिए भगवान श्रीराम और लक्ष्मण



गुवारा में आयोजित रामलीला में मंचन करते कलाकार ।

को अपने साथ ले जाते हैं। यज्ञ में बाधा डालने वाली राक्षसी ताड़का का भगवान श्रीराम ने वध किया। ताड़का वध का दृश्य देखकर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए।

इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष आकाश यादव, निर्देशक डा० सुभाष विश्वकर्मा, कमलेश यादव, इंद्रजीत मौर्य, फुलचंद वमो और हरिश्चंद्र मौर्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

फुलवारी लीला में पहली बार मिले भगवान राम और सीता

कौशाम्बी। दारानगर की ऐतिहासिक सजीव रामलीला में बुधवार शाम म्योहरा स्थित राम-जानकी मंदिर परिसर में फुलवारी लीला का सजीव मंचन किया गया। कलाकारों ने भगवान राम और माता सीता की प्रथम भेंट का प्रसंग प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।रामायण के प्रसंग के अनुसार, गुरु विश्वामित्र के साथ जनकपुर पहुंचे भगवान राम और लक्ष्मण फुल लेने के लिए फुलवारी में जाते हैं। इसी दौरान माता सीता अपनी सखियों के साथ गौरी पूजन के लिए पहुंचती हैं। फुलवारी में भगवान राम और माता सीता की पहली नजर मिलती है। इस प्रसंग का कलाकारों ने सजीव अभिनय किया। राम और सीता के मिलन के इस मनोहारी दृश्य को देखकर दर्शक भक्ति भाव में डूब गए। रामलीला देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंचे। रामलीला कमेटी के सदस्य मनोष पाठक ने बताया कि गुरुवार को म्योहरा गांव में ही धनुष यज्ञ की लीला का सजीव मंचन किया जाएगा। इसके लिए तैयारियों की जा रही है। धनुष यज्ञ की लीला देखने के लिए आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उमीद है।

सड़क हादसे में हुई मौत के मामले में मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। चरवा के समसपुर गांव निवासी दूधिया राजलाल की सड़क हासे में मौत हो गई, जबकि बाइक सवार अंजनी पांडेय घायल हो गए।मृतक के बड़े भाई देशराज के अनुसार सोमवार शाम राजलाल और अंजनी पांडेय चरवा स्थित डेयरी में दूध बेचकर बाइक से घर लौट रहे थे। बंदरहाई बाग के समीप सामने से आए तेज रफ़तार बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में राजलाल की मौत हो गई, जबकि अंजनी घायल हो गए। टक्कर मारने वाला बाइक सवार मौके से फरार हो गया। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मनोरी गांव निवासी सिक्का पुत्र रामसिंह सरोज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसपी ने सुना जनता की शिकायत

कौशाम्बी। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बुधवार को कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ।प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कर आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने की ह्दयायत दी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मंझनपुर, कौशाम्बी

तृतीय ई-निविदा सूचना						
नगर पालिका परिषद मंझनपुर कौशाम्बी में मुख्यमंत्री नगर वैश्विक नगरोदय योजना (CM-VNY) के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग / राज्य सरकार/नगर पालिका परिषद मंझनपुर कौशाम्बी / अन्य सरकारी विभागों में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-निविदा के माध्यम से निम्नांकित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु निविदायें उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्रियारमेण्ट की वेबसाइट https://etender.up.nic.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं।						
- कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत हैं:-						
क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (जी.एस.टी रहित) रुपये	जमानत धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा मूल्य एवं जी.एस.टी. निविदा मूल्य	जी.एस.टी. योग 18 प्रतिशत	कार्य समाप्ति की अवधि
प्रथम बार पत्र संख्या 375/न0पा0 परि0मं./ ई-निविदा/2026-27 दिनांक 21.07.2026						
द्वितीय बार पत्र संख्या 536/ न0पा0परि0मं/ ई-निविदा/2026-27 दिनांक 07.09.2026						
1	नगर पालिका परिषद मंझनपुर में स्मार्ट रिकार्ड रूम (फॉर स्टोरेज ऑफ डाक्यूमेन्ट्स एण्ड डिजिटाइजेशन ऑफ रिकार्ड्स) का कार्य।	4202000.00	420200.00	4202.00	756.00	4958.00
2	नगर पालिका परिषद मंझनपुर सीमान्तर्गत स्थित मुख्यमंत्री नगर वैश्विक नगरोदय योजनान्तर्गत वैश्विक नगर बाजार (फूड स्ट्रीट हब बाजार) का कार्य।	12605000.00	1260500.00	12605.00	2269.00	14874.00
क्र.सं.	वेबसाइट पर ई-निविदा प्रकाशन	तिथि		समय		
01.	ऑनलाइन ई-निविदा प्रकाशन की तिथि / समय	15.10.2026		पूर्वाह्न 10:00 बजे तक।		
02.	ऑनलाइन ई-निविदा अपलोड करने की प्रारम्भिक तिथि/समय	15.10.2026		पूर्वाह्न 11:00 बजे से।		
03.	ऑनलाइन ई-निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि	26.10.2026		अपराह्न 05:00 बजे तक।		
04.	ई-निविदा खोलने की तिथि	27.10.2026		पूर्वाह्न 12:00 बजे से।		
नोट- विभाग द्वारा निविदा संबंधी कोई भी परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी किया जा सकता है, जो ई-निविदा पोर्टल पर जारी किया जायेगा। किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा, सभी संभावित निविदादाता नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। विस्तृत नियम / शर्तें व अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा विड डाक्यूमेण्ट को डाउनलोड करें।						
(संजय कुमार गुप्ता)		(मुकेश कुमार पाल)		(पी.सी पटेल)		(प्रतिभा सिंह)
लिपिक		अवर अभियंता (सिविल)		अवर अभियंता (सिविल)		अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद		नगर पालिका परिषद		नगर पालिका परिषद		नगर पालिका परिषद
मंझनपुर कौशाम्बी		मंझनपुर कौशाम्बी		मंझनपुर कौशाम्बी		मंझनपुर कौशाम्बी
पत्रांक- 649 (1)/न.पा.परि.मं./ई-निविदा/2026-27						
दिनांक 12 अक्टूबर, 2026						



जिम्बाब्वे की पूर्व क्रिकेटर सारा उंबानेवाना का निधन

हरारे (एजेन्सियां)। जिम्बाब्वे की दिग्गज क्रिकेटर सारा उंबानेवाना के निधन की खबर से टीम को सदमा लगा। सारा ने महज ३६ साल की उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके जाने से जिम्बाब्वे क्रिकेट ने एक ऐसी शख्सियत खो दी जिसने महिला अम्पायरों के लिए नयी राह बनाने में योगदान दिया। सारा उंबानेवाना के निधन पर क्रिकेट जगत में शोक की लहर है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सारा के निधन पर शोक जताया है। आईसीसी चैयरमैन जय शह ने भी उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके सफर को प्रेरणादायक बताया। क्रिकेट के बाद वह अम्पायरिंग की तरफ आयीं और वहां भी अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उंबानेवाना लंबे समय से गंभीर बीमारी से जुझ रही थी और मार्च २०२६ से उनका इलाज जारी था। बताया जा रहा है कि उपचार के दौरान ही उन्होंने जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में अंतिम सांस ली। सारा ने दो सितम्बर २०२३ को गैंबोरोन में केन्या और बोत्सवाना की महिला टीमों के बीच टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से अपने अंतरराष्ट्रीय अम्पायरिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें टूर्नामेंट में भी जिम्मेदारी मिली।



गुजरात, बंगाल और हरियाणाकी बड़ी जीत

रणजी ट्राफी

अहमदाबाद/रोहतक (एजेन्सियां)। बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई की शानदार दंबदाजी के दम पर गुजरात ने बुधवार को यहां रणजी ट्राफी ग्रुप सी के मैच में ओडिशा को १० विकेट से करारी शिकस्त देकर बोनास अंक सहित सात अंक हासिल किये। ओडिशा ने सुबह चार विकेट पर ११९ रन से अपनी पारी अगर बढ़ायी लेकिन उसकी पूरी टीम १६१ रन पर आउट हो गयी। गुजरात को इस तरह से ४७ रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने ९.३ ओवर में बिना किसी नुकसान के हासिल किये। ओडिशा ने सुबह चार विकेट पर ११९ रन से अपनी पारी में ३६ रन देकर पांच विकेट लिए और ओडिशा को सस्ते में समेटने में अहम भूमिका निभाई। ओडिशा की तरफ से सटीक पटनायक ने ६५ और निनाद राठवा ने ५३ रन बनाये। बाएं हाथ के तेज

गेंदबाज अर्जन नागवासलाना ने भी गुजरात की जीत में योगदान दिया। उन्होंने मैच में छह विकेट लिए, जिसमें दूसरी पारी में ३३ रन देकर तीन विकेट भी शामिल हैं। वहीं बंगाल ने ग्रुप सी में ही अपने अभियान का आगाज जीत के साथ करते हुए दिल्ली को चौथे और आखिरी दिन नी विकेट से हरा दिया। अपने कल के स्कोर तीन विकेट पर १०१ रन से आगे खेलते हुए दिल्ली की टीम १०६.२ ओवर में २७७ रन पर आउट हो गयी। कप्तान आयुष बडोनी ने १३४ गेंद में ८५ रन बनाये जिसमें दस चौके शामिल थे। विकेटकीपर बल्लेबाज अजुज रावत ने ७६ गेंद में ३९ रन का योगदान दिया। दिल्ली के २४० रन के जवाब में बंगाल ने पहली पारी में ४२९ रन बनाये थे और उभरे ८९ रन का लक्ष्य हासिल करने के लिए १५.३ ओवर की ही जरूरत पड़ी। उधर रोहतक में हिमांशु

राणा और धीरू सिंह की धैर्यपूर्ण पारियों की मदद से हरियाणा ने यहां बेसी लाल क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप डी मैच के चौथे और अंतिम दिन हिमाचल प्रदेश को सात विकेट से हरा दिया। हरियाणा के सामने ही अपने अभियान का आगाज जीत के साथ करते हुए दिल्ली को चौथे और आखिरी दिन नी विकेट से हरा दिया। अपने कल के स्कोर तीन विकेट पर १०१ रन से आगे खेलते हुए दिल्ली की टीम १०६.२ ओवर में २७७ रन पर आउट हो गयी। कप्तान आयुष बडोनी ने १३४ गेंद में ८५ रन बनाये जिसमें दस चौके शामिल थे। विकेटकीपर बल्लेबाज अजुज रावत ने ७६ गेंद में ३९ रन का योगदान दिया। दिल्ली के २४० रन के जवाब में बंगाल ने पहली पारी में ४२९ रन बनाये थे और उभरे ८९ रन का लक्ष्य हासिल करने के लिए १५.३ ओवर की ही जरूरत पड़ी। उधर रोहतक में हिमांशु



हरियाणा ने २९६ रन बनाकर ४३ रन की बढ़त हासिल की थी। हरियाणा को तरफ से अंकित राजेश कुमार (५९), यशवर्धन दलाल (७२) और कनिष्क चौहान (५०) ने अर्धशतक बनाये। हिमाचल प्रदेश की टीम दूसरी पारी में ११३ रन पर आउट हो गयी थी। हरियाणा की तरफ से तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने ५६ रन देकर चार विकेट लिए।

नटराजन सनराइजर्स में, जीशान दिल्ली से जुड़े

मुंबई (एजेन्सियां)। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन की सनराइजर्स हैदराबाद में वापसी हुई है जबकि आईपीएल की इन दोनों फ्रेंचाइजी के बीच खिलाड़ियों के ट्रेड (अदला-बदली) के तहत लेग स्पिनर जीशान अंसारी बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ गये। नटराजन पांच करोड़ रुपये की संशोधित फीस पर २०१६ की आईपीएल चैम्पियन टीम से जुड़ेंगे। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल २०२५ की नीलामी में १०.७५ करोड़ रुपये में खरीदा था। आईपीएल २०२६ सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए १०मैच खेलने वाले अंसारी ४० लाख रुपये की मौजूदा फीस पर दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होंगे। आईपीएल ने बयान में कहा कि २०२० से २०२४ तक पांच सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करने वाले नटराजन फ्रेंचाइजी में लौट आये हैं। इसी टीम के लिए खेलते हुए उन्होंने आईपीएल के सबसे प्रभावी बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाजी में अपनी पहचान बनायी थी। बयान के अनुसार, नटराजन का आईपीएल में सबसे सफल सत्र २०२४ में रहा जब उन्होंने १९ विकेट लिए। वह उस सत्र में सनराइजर्स के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अंसारी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पदार्पण मैच में तीन विकेट चटकाकर अपने आईपीएल करियर की शानदार शुरुआत की थी। आईपीएल ने कहा कि इस लेनदेन स्पिनर ने आईपीएल में १० मैच में छह विकेट लिए हैं और उनके आने से दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी विभाग को मजबूती मिलेगी। पैंतीस वर्षीय नटराजन ने भारत के लिए एक टेस्ट और दो एकदिनी अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। उन्होंने आईपीएल में ७३ मैच में ७२ विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन १९ रन पर चार विकेट है। छब्बीस वर्षीय अंसारी के नाम आईपीएल के १० मैच में छह विकेट हैं।

क्राइस्ट नगर ओवरआल चैम्पियन

विद्यालय अथलेटिक्स : रमिताने जीते तीन स्वर्ण

वाराणसी। ७०वीं जनपदीय विद्यालयीय अथलेटिक्स प्रतियोगिता में बुधवार को क्राइस्ट नगर जोन के अथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरआल चैम्पियनशिप जीत ली। जगतपुर इंटर कालेज में दो दिवसीय प्रतियोगिता के अंतिम दिन विकास इंटर कालेज की छात्रा रतिमा पटेल ने जूनियर बालिका वर्ग में ४०० और ८०० मीटर दौड़ और लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता। शिखर ने जूनियर बालक वर्ग में ८० मीटर दौड़ और ११० मीटर हर्डल रेस में स्वर्ण पदक हासिल किया। क्राइस्ट नगर जोन को इस प्रतियोगिता में पहली बार शामिल किया गया है। उसके अथलीटों ने सब जूनियर, जूनियर, सीनियर बालक बालिका वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन किया।



विमल जैन

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, त्रयदान अवन, टैगोर टाउन एध्सस्टेशन, भोजपुरी, वाराणसी-221002

आज का राशिफल
गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026

मेघ- कार्य में बाधा, आर्थिक परेशानी, सम्बन्धों में कटुता, प्रतिष्ठा पर आघात, व्यर्थभ्रमण।
वृषभ- नवीन उपलब्धि, अधूरी योजना की पूर्ति, स्वनिर्णय लाभकारी, कर्ज की अदायगी।
मिथुन- परिवार में हर्षोल्लास, विवाद का समापन, मनोविनोद के अवसर, उपहार का लाभ।
कर्क- मनोवांछित सफलता, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, मानसिक राहत, आय के नवीन स्रोत।
सिंह- प्रगति में बाधा, मानसिक तनाव, क्रोध की अधिकता, प्रियजनों से मतभेद, धनहानि।
कन्या- आर्थिक पक्ष बेहतर, धर्मकर्म में रुचि, आरोग्य सुख, मानसम्मान में वृद्धि, यात्रा भी।
तुला- आरोग्यसुख, स्थानपरिवर्तन का कार्यक्रम, सुसमाचार की प्राप्ति, परिवार में खुशी।
वृश्चिक- स्वास्थ्य प्रतिकूल, विवाद की आशंका, यात्रा में कष्ट, वाहन से भय, हानि संभव।
धनु- योजना अधूरी, आर्थिक असंतोष, अनावश्यक खर्च, विरोधियों प्रभावी, राजकीय उलझने।
मकर- अभूत कार्य पूर्ण, दाम्पत्य जीवन मधुर, जीवन साथी से सामंजस्य, सुख के साधन।
कुम्भ- आर्थिक स्थिति में सुधार, स्वजनों से सहयोग, कर्ज की निवृत्ति, हर्ष का वातावरण।
मीन- आय के स्रोत, कर्ज की अदायगी, सुसमाचार से खुशी, शुभकृत्य संपन्न, यात्रा सुखद।

आज है जिनका जन्मदिन

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 1 5 का मूलानंक 6 का स्वामी वह शुक्र एवं माह का अधिपति वह शुक्र है। प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी होंगे। हमेशा कुछ न कुछ सोचते रहेंगे। उत्तरवायित्व की पूर्ति करने में सक्षम होंगे। सारौरिक श्रम की अपेक्षा मानसिक काम को अधिक महत्व देंगे। जो भी निर्णय लेंगे स्वतंत्र रूप से लेंगे। निर्णय को दृढ़ता से लागू रख सकेंगे। आपके कार्यों में अनिश्चितता का समावेश रहेगा। दूसरों की प्रगति देखकर उससे भी आगे निकल जाने की कोशिश करेंगे। किसी भी बात को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में विक्षोभ संभव। परोपकार की ओर भी रुझान अधिक रहेगा। जनसम्पर्क का लाभ प्राप्त करने में सक्षम होंगे। गुरुत्व जीवन सामान्य रहेगा। भ्रूणार एवं सौन्दर्य प्रसाधन वस्तुओं के क्रय में अधिक व्यय करेंगे। शुक्रवार के दिन संकेत रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का दान करें। शुक्र यंत्र स्थापित धारण करें। तन-मन-कर्म-वचन से शुधिता का धर्म अपनाते सदाचार का पालन करें। आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपराल तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र : ॐ नमो शुक्राय नमः
व्रत : शुक्रवार
दिन : सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार
दिनांक : 6, 15, 24
अंक : 4, 5, 8
वर्ष का महत्वपूर्ण समय—20 अक्टूबर से 21 अक्टूबर, 23 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

मास : फावरी, अक्टूबर एवं नवम्बर
वर्ष : 6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
रंग : हल्का नीला एवं सफेद
जन्माल : हौरा
उपहार : सत्कर पुष्पाञ्जलि
जड़ी : अरण्ड की जड़
विश्रा : आरोग्य

11 6 13
12 10 8
7 14 9



होप का तूफानी शतक

चौथा टी-२० : वेस्टइण्डीज ने भारत को दिया २४८ रनों का लक्ष्य

हैदराबाद (आससे)। कप्तान शाई होप (अजेय १०२) के तूफानी शतक और उनकी तीन अर्द्धशतकीय साझेदारियों के दम पर वेस्टइण्डीज ने बुधवार को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-२० शृंखलाके चौथे मुकाबले में २० ओवर में तीन विकेट पर २४७ रन का विशाल स्कोर बनाया। होप और रदरफोर्ड ने चौथे विकेट के लिए ४३ गेंद में ९१ रन की ताबड़तोड़ अटूट साझेदारी की। टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइण्डीज ने विस्फोटक शुरुआत की। शानदार फार्म में चल रहे कप्तान शाई होप और ज्वेल एंड्रयू ने पहले विकेट के लिए २६ गेंद में अर्द्धशतकीय साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी लेकिन अक्षर पटेल ने ज्वेल को पगवाधा करके उनकी १६ गेंद में दो चौके, एक छक्के की मदद से खेली गयी २१ रन की पारी का अंत

करते हुए भारत को राहत की सांस दिलायी। मगर वेस्टइण्डीज ने पावरप्ले में एक विकेट गंवा कर ७९ रन बना डाले। दूसरी ओर होप का बल्ला इसके बाद भी रन उगलता रहा उन्होंने शिमरोन हेटमायर (३३) के साथ दूसरे विकेटके लिए २४ गेंदों में ५८ रन जोड़ दिये। हेटमायर को प्रिंस यादव ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। हेटमायर ने १२ गेंद में चार चौके और दो छक्का लगाया। इसके बाद रोमैन पावेल को अर्शदीप सिंह ने संजू सैमसन के हाथों कैच करा वेस्टइण्डीज को तीसरा झटका दिया। पावेल (२४) ने १७ गेंद में दो चौके और एक छक्का लगाने के साथ होप के साथ ४७ गेंद में ४६ रन जोड़कर आउट हुए। १२वें ओवर की पांचवीं गेंद पर अर्शदीप ने आफ स्टील के बाहर फूल लेंथ गेंद डाली। पावेल ने डीप एकस्ट्रा

यादव ने चार ओवर में बिना विकेट लिए ५२ रन लुटाये। नमन धीर ने अपने पहले ओवर में १९ रन खर्च कर दिये जिससे उन्हें दोबारा गेंदबाजी नहीं दी गयी जबकि अक्षर पटेल भी ४५ रन खर्च किये। कुछ देर के लिए जब होप शांत हुए तो रदरफोर्ड का बल्ला रन बरसाने लगा। वहीं शाई होप ने अंत में ५० गेंद में चार चौके और नौ छक्के की मदद से १०२ रन की अजेय पारी खेलने के अलावा रदरफोर्ड (४९) के साथ मात्र ४३ गेंद में ९१ रन की अटूट साझेदारी की जिससे वेस्टइण्डीज ने २० ओवर में तीन विकेटके नुकसान पर २४७ रन का विशाल स्कोर बना दिया। रदरफोर्ड ने २६ गेंद में ४९ रन की अजेय पारी खेली जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। प्रिंस यादव ने सबसे किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में ३६ रन देकर एक विकेट लिए। मयंक

विकहम वेस्टइण्डीज की टेस्ट टीम में शामिल

सैंट जोन्स (एजेन्सियां)। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज २३ वर्षीय केविन विकहम को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए पहली बार वेस्टइण्डीज की टीम में शामिल किया गया है। वेस्टइण्डीज ने इस दौर के लिए १५ सदस्यीय टीम का चयन किया है। यह उसका आईसीसी वि्व टेस्ट चैम्पियनशिप के २०२५-२०२७ चक्र का अंतिम दौरा है। पहला टेस्ट में २८ अक्तूबर से मोरपूर और दूसरा टेस्ट मैच पांच नवम्बर से सिलहट में खेला जायेगा। वेस्टइण्डीज ने सीमित ओवरों की टीम के कप्तान शाई होप को तीनों प्रारूपों में लगातार खेलने के बाद आराम दिया है। होप अभी भारत के खिलाफ चल रही टी-२० अक्तूबर से मोरपूर और दूसरा टेस्ट मैच में शामिल किया गया है। हरियाणा की तरफ से तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने ५६ रन देकर चार विकेट लिए।

टी-२० रैंकिंग शीर्ष १० में चार भारतीय शामिल

दुबई (एजेन्सियां)। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर वेस्टइण्डीज के खिलाफ पांच मैच की मौजूदा शृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी की बल्लेबाजों की नवीनतम टी-२० अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गये हैं। अय्यर ने लखनऊ में शृंखला के पहले मैच में अपना पहला टी-२० अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। टी-२० अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष १० में चार भारतीय शामिल हैं। इम्रान किशन ९०४ अंक के साथ शीर्ष पर हैं। उन्होंने सभी भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर १३ अंक की बढ़त बना रखी है।

रोहित फिर बन सकते हैं मुम्बई इण्डियंस के कप्तान



मुम्बई (एजेन्सियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) २०२७ से पहले मुंबई इंडियंस की टीम में कप्तानी को लेकर बड़ी हलचल की चर्चा है। खबर के मुताबिक फ्रेंचाइजी एक बार फिर रोहित शर्मा को टीम की कप्तान साँपने पर विचार कर रही है। रोहित मुंबई इंडियंस के सबसे सफल कप्तानों में से एक माना जाता है। उनकी

अगुवाई में टीम ने पांच बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था। ऐसे में उनकी दोबारा कप्तानी की खबर से उनके फैंस की उत्सुकता बढ़ गयी है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल २०२४ से पहले हार्दिक पंडेयाको गुजरात टाइटंस से ट्रेड किया था। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक को टीम का नया कप्तान बना दिया। इस फैसले से कई प्रशंसक नाराज हुए थे। हार्दिक ने २०२४, २०२५ और २०२६ के सीजन में टीम की कप्तानी की लेकिन इस दौरान मुंबई इंडियंस के लिए मैदान के अंदर और बाहर काफी उथल-पुथल भरा रहा। टीम को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा और कप्तानी को लेकर लगातार चर्चाएं होती रहीं। अब मैनेजमेंट कप्तानों में बड़ा बदलाव करने के मू्र में नजर आ

रहे हैं। कप्तानी में बदलाव के बीच सूर्यकुमार यादव और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा के नामों पर भी चर्चा होने की बात सामने आयी है लेकिन दावा किया जा रहा है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए रोहित शर्मा को दोबारा कप्तान बनाने का विकल्प मजबूत माना जा रहा है। रोहित का अनुभव और मुंबई इंडियंस के साथ उनका शानदार रेकार्ड इस फैसले में अहम भूमिका निभा सकता है। कप्तानी में बदलाव के चर्चा के साथ हार्दिक के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आईपीएल २०२६ के बाद हार्दिक ने टीम छोड़ने की इच्छा जतायी थी और फ्रेंचाइजी ने उन्हें ट्रेड करने के विकल्प तलाशे। फिलहाल मुंबई इंडियंस या रोहित शर्मा की ओर से कप्तानी को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

पंजाबमें १७ साल बाद लौटेगी अंतरराष्ट्रीय हाकी

एशियाई चैम्पियंस ट्राफी : पहली बार स्टेडियम में मुझे खेलते हुए देखेगा मेरा परिवार-हरमनप्रोत सिंह

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। कभी हाकी के गढ़ रहे पंजाब में एशियाई चैम्पियंस ट्राफी पुरुष हाकी टूर्नामेंट के जरिये १७ साल बाद अंतरराष्ट्रीय हाकी की वापसी होगी। पंजाब गोल्ड कप २००९ प्रदेश में आखिरी अंतरराष्ट्रीय हाकी टूर्नामेंट था। पंजाब के लिए हाकी महज एक खेल नहीं बल्कि इसकी सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न अंग है। पंजाब के गांवों से लेकर अकादमियों तक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय हाकी में पंजाब का अमूल्य योगदान रहा है। उधम सिंह से लेकर बलबीर सिंह सीनियर तक और मनप्रती सिंह से लेकर हरमनप्रती सिंह तक पंजाब ने देश को बेहतरीन खिलाड़ी दिये हैं।

भारत के अलावा मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और बांग्लादेश २७ अक्तूबर से दो नवम्बर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेंगे। भारत पांच बार (२०११, २०१६, २०१८, २०२३ और २०२४) में खिताब जीत चुका है। भारतीय कप्तान हरमनप्रोत सिंह ने कहा कि पूरी टीम के लिए यह ख़ास मौका है ख़ासकर पंजाब के खिलाड़ियों के लिए जो पहली बार पंजाब में भारत की जर्सी पहनकर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा पूरा परिवार स्टेडियम में मुझे खेलते देखने पहुंचेगा। मेरे पिता ने कभी मुझे स्टेडियम में बैठकर देश के लिए खेलते नहीं



देखा। उद्घाटन समारोह और लीग चरण के मैच २७ अक्टूबर से दो नवम्बर के बीच जालंधर के ओलम्पियन सुरजीत सिंह हाकी

एकदिनी टीम में चुने जा सकते हैं सूर्याश

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। मुम्बई के तेज गेंदबाजी हरफनमौला सूर्याश शेडो को न्यूजीलैण्ड दौर के लिए भारत की एकदिनी टीम में चुना जा सकता है जिन्होंने हाल ही में आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लिस्ट ए टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। २३ वर्ष के शेडो ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी-२० मैच खेले थे और हाल ही में हैमस्मिंघ चोट से ठहरने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटे हैं। उन्होंने पुडुचेरी में आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनौपचारिक एकदिनी शृंखला में बल्ले और गेंद से प्रभावित किया। बीसीसीआई के अनुसार एकदिनी टीम में शेडो के चुने जाने की प्रबल संभावना है क्योंकि टेस्ट शृंखला में चौथे तेज गेंदबाज और निचले क्रम के बल्लेबाज के तौर पर नीतिश कुमार रेड्डी की अहम भूमिका होगी। रेड्डी सारे एकदिनी नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें टेस्ट शृंखला की तैयारी करनी है। पांच मैचों की शृंखला के बाद पांच टी-२० खेले जायेंगे जो २२ अक्तूबर से शुरू होंगे। वनडे शृंखला चार नवम्बर को आकलैंड में शुरू होगी।

अय्यर करियरके सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थानपर



वेस्टइण्डीज के शेरेफन रदरफोर्ड (२३ स्थान के फायदे से संयुक्त २४वें) और भारत के संजू सैमसन (चार स्थान के फायदे से संयुक्त २७वें) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

वेस्टइण्डीज के रोस्टन चेज ने भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी टी-२० अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में २४ स्थान की छलांग लगाकर २३वां स्थान हासिल किया जबकि टी-२० अंतरराष्ट्रीय आलराउंडरों की सूची में दो पादान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर हैं।

पाकिस्तान के सलमान मिर्ज़ा (नौ स्थान ऊपर चढ़कर १४वें) और हाशिम अयूब (आठ स्थान की छलांग लगाकर ५४वें) ने भी टी-२० अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया। भारत के अग्रभूमी खिलाड़ी रवींद्र जडेजा टेस्ट आलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी मजबूत स्थिति बनाये हुए हैं।

बीएफआईके महासचिव प्रमोद कुमार निलंबित

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष जयव सिंह ने कथित वित्तीय अनियमितताओं, जांच में सहयोग नहीं करने और अपने अधिकारों का दुरुपयोग करने के आरोप में महासचिव प्रमोद कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अध्यक्ष सिंह ने जारी निलंबन आदेश में कुमार के खिलाफ कई आरोपों का हवाला दिया, जिनमें जर्ल्दी जंजीर के बिना प्रसारण व्यवस्थाके लिए आदेश जारी करना भी शामिल है। कुमार पर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप रद्द होनेकी जांचमें सहयोग न करने और अध्यक्ष के खिलाफ अधिश्वास प्रस्ताव लाने के लिए अनधिकृत बैठक बुलाने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया गया है। जांच पूरी होने तक या सक्षम पदाधिकारी द्वारा आदेश में संशोधन या उसे रद्द किया जाने तक बीएफआई संविधान के लागू प्रावधानों के तहत आपको तत्काल प्रभाव से महासचिव के पद से अंतिम रूप से निलंबित किया जाता है।

सुडोकू

7	4	2			
8	7	4	2		1
2			6	9	
		3	7		
				4	8
6					9
					4

7	1	4	6	3	9	5	8	2	
5	2	8	4	1	7	6	3	9	
3	9	6	8	5	2	4	7	1	
9	4	5	3	2	8	7	1	6	
6	8	1	9	7	5	3	2	4	
2	7	3	1	6	4	9	5	8	
4	3	2	7	8	6	1	9	5	
1	5	9	2	4	3	8	6	7	
8	6	7	5	9	1	2	4	3	

आज

प्रयागराज, गुरुवार १५ अक्टूबर, २०२६

बॉलीवुड के बड़े सितारे भी बने डिजिटल स्कैम का शिकार

शोहरत भी नहीं बचा सकी डिजिटल स्कैम मुंबई, फिल्मों और वेब सीरीज में दिखाए गए स्कैम दशकों को हमेशा से आकर्षित करते रहे हैं। जामतारा- सबका नंबर आएगा में फोन के जरिए होने वाली ठगी से लेकर स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी में बड़े वित्तीय घोटाले की कहानी तक, मनोरंजन जगत ने धोखाधड़ी के कई रूप पढ़े पर दिखाए हैं। लेकिन, जब ऐसी घटनाएँ असल जिंदगी में बॉलीवुड सितारों और लोकप्रिय चهرों के साथ होती हैं, तो यह कहानी सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एक गंभीर चेतावनी बन जाती है। हाल ही में अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने क्रेडिट कार्ड से 2.43 लाख रुपए के कथित अनधिकृत अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन का मामला साझा किया। इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि फ़िल्म स्क्रीनिंग के दौरान उन्हें अपने कार्ड से डॉलर में भुगतान होने का नोटिफ़िकेशन मिला। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल दौर में मोबाइल पर हमारी जिंदगी से जुड़ी लगभग हर जानकारी मौजूद है और ऐसे में धोखाधड़ी को पहचानना आसान नहीं है। कटेंट क्रिएटर अंकुश बहुगुणा ने जनवरी 2025 में डिजिटल अरेस्ट स्कैम का अपना अनुभव साझा किया था। उनके मुताबिक, ठगों ने उन्हें करीब 40 घंटे तक नार्मलस दबाव में रखा। इस घटना ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के मानचित्र और आर्थिक प्रभाव को सामने रखा। टेलीविजन कलाकार पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा ने भी एक वित्तीय धोखाधड़ी में अपनी बचत गंवाने की बात कही थी। टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर ने कथित तौर पर एक अनजान व्यक्ति के फोन काबू के बाद 85,000 रुपए गंवाने की जानकारी दी थी। जामतारा, स्कैम 1992 और स्कैम 2003- द टेलंगी स्टोरी जैसी सीरीज ने धोखाधड़ी की अलग-अलग कहानियों को दर्शकों तक पहुंचाया है। लेकिन, असल जिंदगी में ठगी किसी फ़िक्ट्र के मुताबिक नहीं होती। अक्टूबर को साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में, मनोरंजन जगत से सामने आए ये मामले याद दिलाते हैं कि डिजिटल धोखाधड़ी किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। शोहरत और पहचान के बावजूद कोई भी व्यक्ति इसका शिकार बन सकता है।

गिन्नी वेड्स सनी 2 का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर



जब बिस्कुल अलग स्वभाव के दो लोग शادی के बंधन में बंध जाते हैं, तो हंसी, उलझनों और सरप्राइज़ से भरा सफर तय मानिए। प्यार, झुठ और सेकंड चांस से सजी इस दिल खू लेने वाली कॉमेडी का आनंद लीजिए ‘गिनी वेड्स सनी 2 के वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर में, 16 अक्टूबर को शाम 7.30 बजे, सिर्फ एंड पिकर्स पर। प्रशांत झा द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक कॉमेडी में अविनाश तिवारी ‘सनी’ की भूमिका में नज़र आएंगे, जो एक छोटे शहर का पहलवान है और अपने लिए दुल्हन ढूँढ़ने में संघर्ष कर रहा है। वहीं, मेधा शंकर ने ‘गिनी’ का किरदार निभाया है, जो दिल्ली की एक बेफिक्र और जिंदादिल लड़की है, जिसकी आवाज़ सोच उसके परिवार की चिंता का कारण बनती है। रिश्ता तय करने के लिए दोनों अपनी सच्चाई को थोड़ा तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं, लेकिन शادی के बाद जब असलियत सामने आती है, तब शुरू होता है हंसी और ड्रामा से भरपूर असली बवाल। अलग-अलग स्वभाव, छुपे हुए राज और ख़दब देने वाले रिश्तेदार उनकी शारीयुदा जिंदगी को एक रोलर-कोस्टर में बदल देते हैं। छोटे शहरों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म ऐसे समाज को खूबसूरती से दर्शाती है जो बदलाव के दौर से गुजर रहा है। एक और नई पीढ़ी आधुनिक सपनों और महत्वाकांक्षाओं को अपनाता चाहती है, वहीं दूसरी ओर परंपराओं और सामाजिक अपेक्षाओं की जकड़न से पूरी तरह मुक्त हो पाना आसान नहीं है। यही द्वंद्व फिल्म को कई ऐसे पल देता है, जो हास्यपूर्ण, भावनात्मक और बेहद सहज महसूस करने वाले हैं। जहाँ अविनाश और मेधा अपने मुख्य किरदारों में शानदार प्रदर्शन करते हैं, वहीं फिल्म की ताकत इसकी प्रभावशाली सहायक कलाकार मंडली भी है। हर कलाकार ने अपनी भूमिका को यादगार बनाया है और कहानी को और अधिक जीवंत तथा विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अविनाश तिवारी ने कहा, गिनी वेड्स सनी 2 मेरे लिए एक मजेदार और रोमांचक सफर रहा है। मेधा शंकर ने कहा, गिनी एक जिंदादिल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी लड़की है, जो अपने दिल और दिमाग की बात बखूबी जानती है।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने ट्रीटमेंट अप्रोच के जरिए फर्टिलिटी केयर को बनाया बेहतर

प्रयागराज, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों के कपल्स को फर्टिलिटी केयर उपलब्ध करते हुए तीन वर्ष पूरे किए हैं। इन वर्षों में सेंटर ने फर्टिलिटी हेल्थ को लेकर जागरूकता में बदलाव देखा है। अब अधिक कपल्स समय पर मेडिकल जांच और ट्रीटमेंट के लिए आगे आ रहे हैं। सेंटर पर ऐसे कपल्स भी आते हैं, जिनका पहले कई आईवीएफ साइकल के बाद भी ट्रीटमेंट सफल नहीं हुआ है। पिछले तीन वर्षों में प्रयागराज सेंटर ने पीएमओएस, कम स्पर्म काउंट, फैलोपियन ट्यूब में ब्लॉकेज, एंडोमेट्रियोसिस, बिना स्पष्ट कारण के इम्फर्टिलिटी और एज्युस्मिया जैसी कई फर्टिलिटी कंडीशन्स के मामलों का इलाज किया है। पुरुषों से जुड़े फर्टिलिटी फैक्टर भी सेंटर के काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। इनमें सीवियर ओलिगोएस्पेर्मेटोइडोरोपेनिसिया और एज्युस्मिया जैसे मामले शामिल हैं। कम ओवेरियन रिजर्व, एंडोमेट्रियोमा और पहले आईवीएफ ट्रीटमेंट सफल न होने वाले मामलों में भी कपल्स को उनकी मेडिकल स्थिति के अनुसार ट्रीटमेंट उपलब्ध कराया जाता है। हाल ही में प्रयागराज सेंटर में एक 39 वर्षीय महिला का इलाज किया गया, जिन्हें सेकेंडरी इम्फर्टिलिटी की समस्या थी।

वक्फ जमीन फर्जीवाड़े में पुलिस पर उठे सवाल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में करोड़ों की वक्फ संपत्तियों को फर्जीवाड़े के जरिए गलत तरीके से बेचे जाने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है. इस मामले में जयपुर पुलिस ने मास्टरमाईड नासिर खान सड़वा पर इनाम की रकम पांच हजार से बढ़ाकर पचीस हजार कर दी है, हालांकि पिछले सवा सालों में छह नामजद समेत 27 आरोपियों में से सिर्फ एक को छोड़कर बाकी किसी की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. इस बीच वक्फ की जमीन जिन गरीब लोगों को औने पौने दामों में बेची गई, उनके आशियाने पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं. दर्जनों पीड़ित लोगों ने इस मामले में सीएम भगनलाल शर्मा समेत ऊंचे ओहदों पर बैठे दूसरे लोगों से इंसालफ की गुहार लगाते हुए आशियानों पर बुलडोजर नहीं चलने और जमीनों से बेदखल नहीं किए जाने की गुहार लगाई है.कई गरीबों के आशियाने पर खतरे के बादल इस्फुरित भी मंडरा रहे हैं, क्योंकि वक्फ प्रॉपर्टी वाले ट्रस्ट ने नगर निगम और जयपुर विकास प्रधिकरण समेत अन्य लोगों को पत्र भेज कर जमीनों पर कब्जा कर अवैध निर्माण करने की शिकायत की है और बुलडोजर के जरिए बेदखल किए जाने की अपील की है. आशियाना बचाने और मास्टरमाईड समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अब अदालत का दरवाजा खटखटाने की भी तैयारी है. इस बीच वक्फ बोर्ड के सीईओ ने किसी भी तरह की खरीद फरोख्त, किराए, इस्तेमाल और निपट पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी है. आरोप यह भी है कि मास्टरमाईड नासिर खान सड़वा समेत अन्य आरोपी इनाम घोषित होने के बावजूद न सिर्फ खुलेआम घूम रहे हैं, बल्कि गवाहों और पीड़ितों की धमका भी रहे हैं और सूझा का इस्तेमाल कर जांच बदलवाने की भी तैयारी में हैं. वक्फ संपत्ति पर जिस अचरोल सोसाइटी द्वारा पैसे लेकर पट्टी का अलॉटमेंट किए जाने का दावा किया गया था, उसने भी मास्टरमाईड नासिर के दावों को खारिज करते हुए इस मामले से सीधे तौर पर पल्ल झाड़ लिया है.यह मामला जयपुर के रामगढ़ रोड स्थित जामिया तुल हदिदा ट्रस्ट की बेशकीमती वक्फ संपत्ति से जुड़ा हुआ है. ट्रस्ट के पास अस्सी बीघा से ज्यादा जमीन है. इस ट्रस्ट में मोहम्मद जियाउर रहीम ट्रस्टी के साथ ही यहां संजालित होने वाले मरसले के वासस प्रिंसिपल भी थे. आरोप है कि उन्होंने कुछ सालों पहले चोरी छिपे फर्जी कागजात के जरिए जमीन का संपत्तियार करने वाले नासिर खान सड़वा व अन्य लोगों के साथ मिलकर वक संपत्तियों को गलत तरीके से बेचना शुरू कर दिया. ट्रस्ट को इसकी जानकारी तब हुई जब जमीन खरीदने वालों ने वह निर्माण शुरू किया. ट्रस्ट ने इस मामले में क्रिमिनल केस दर्ज करने के लिए जयपुर पुलिस में शिकायत की. पुलिस ने केस दर्ज करने से मना किया तो अदालत में गुहार लगाई गई. कोर्ट के दखल पर इस मामले में पिछले साल एक जुलाई को जयपुर के जयसिंहपुरा खोर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया. कोर्ट के दखल पर पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। मुख्य आरोपी मोहम्मद जियाउर रहीम को गिरफ्तार किया गया, लेकिन वह कुछ ही दिनों में जमानत पर बाहर आ गया. इस मामले में छह लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज हुआ था, जबकि 21 अन्य आरोपियों के नाम भी जांच के दौरान सामने आए.

सात साल बाद भी नहीं बना स्वरूपरानी अस्पताल का चिल्ड्रन विंग, हाईकोर्टने जतायी नाराजगी

कोर्टमें हुआ तमाशा,एमडी और ठेकेदार एक-दूसरेपर लगाते रहे आरोप

(विधि संवाददाता) इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल से संबद्ध मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के २०० बेड के चिल्ड्रन विंग का निर्माण ७ साल बाद भी पूरा न होने पर गहरी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहर के बच्चों के इलाज के लिए बन रहा अस्पताल इतने साल बाद भी बन कर तैयार नहीं हो सका। डा. अरविंद गुप्ता की याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने की।मुख्य सचिव, यूपी सरकार का दूसरा हलफनामा और प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का १६वां हलफनामा दाखिल किया गया। इसमें बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग को आवंटित जमीन पर खड़े २१ सरकारी बंगलों को ध्वस्त करने का प्रस्ताव १३अक्टूबर २०२६ को कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा गया है।पिछली तारीख के आदेश पर यूपी सिडको के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव सिंह कोर्ट में हाजिर हुए। उनके वकील विवेक प्रसाद माथुर ने उनकी पहचान की।मेसर्स आर सी बी इंफ्रोकान्स प्रा

लि की ओर से इंटरवेंशन एप्लीकेशन दाखिल की गई। कंपनी के डायरेक्टर रोहित अवस्थी भी कोर्ट में हाजिर हुए।

एम डी ने कोर्ट में कहा कि ठेकेदार ने डिफॉल्ट किया और उन्हें अंधेरे में रखा। पहले उन्होंने ३० सितंबर २०२६ तक सभी ६ लिफ्ट लगाकर पूरा चिल्ड्रन विंग हैंडओवर करने का आश्वासन दिया था, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ, इसलिए उन्हें तलब करना पड़ा।ठेकेदार के वकील उदय चंदानी ने कहा कि सिविल वर्क पूरा हो चुका था, लेकिन अक्टूबर २०२५ में विभाग ने अतिरिक्त काम लिफ्ट लगाने और अन्य इलेक्ट्रिकल वर्क करने को रूकवा दिया, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का १६वां हलफनामा दाखिल किया गया। इसमें बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग को आवंटित जमीन पर खड़े २१ सरकारी बंगलों को ध्वस्त करने का प्रस्ताव १३अक्टूबर २०२६ को कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा गया है।पिछली तारीख के आदेश पर यूपी सिडको के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव सिंह कोर्ट में हाजिर हुए। उनके वकील विवेक प्रसाद माथुर ने उनकी पहचान की।मेसर्स आर सी बी इंफ्रोकान्स प्रा

टेकेदार रोहित अवस्थी ने कहा कि विभाग ने कुछ पेंमेंट नहीं किया और मौखिक रूप से काम करने को कहा गया। कोर्ट ने पूछा कि बिना एल ओ आई के क्यों स्वीकार किया, तो कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने बताया कि कंपनी को कल रात ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, इसलिए काम नहीं हो पा रहा।

रोहित अवस्थी ने कोर्ट में आश्वासन दिया कि यदि काम करने दिया जाए तो २९अक्टूबर २०२६ तक दो और लिफ्ट लगा देंगे और बाकी दो लिफ्ट अगले १५-२० दिन में लगा देंगे। साथ ही केबल बिछाने, फायर एक्ससॉरिगिंशर और खिड़की के शीशे का काम अगली तारीख तक पूरा कर देंगे। बाहरी दीवारें बारिश से गीली हैं, सूखने पर फाइनल कोट और पेंट कर देंगे।अवस्थी ने कहा कि यदि ब्लैकलिस्टिंग आदेश की स्थिति रखा जाए तो वह काम जारी रखेंगे और १५ दिन में पूरा करने की कोशिश करेंगे। पेंमेंट का विवाद वह विभाग से अलग उठाएंगे लेकिन काम नहीं रोकेंगे।एम डी संजीव सिंह ने जवाब में कहा कि ठेकेदार ने जानबूझकर मामला लटकाया है। लगभग पूरा भूगतान हो चुका है, सिर्फ ५० लाख रुपये रिजर्व फंड में रोका गया है, जबकि पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब ३० करोड़ है। विभाग ने ओ टी आई एस कंपनी से संपर्क किया, लेकिन वह भी लिफ्ट सप्लाई की टाइमलाइन नहीं दे पा रही। उन्हें भरोसा नहीं कि ठेकेदार १५ दिन में २ लिफ्ट भी लगा पाएगा। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने

कहा कि -‘मैं यह देखकर हैरान हूं कि किस तरह एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उसका ठेकेदार खुले कोर्ट में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

यह बिल्डिंग पिछले सात साल से बन रही है, जो प्रयागराज शहर के लोगों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए है।’मैं पिछले डेढ़ साल से इस केस की मॉनिटरिंग कर रहा हूं, लेकिन दोनों ने ही राज्य सरकार को इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में निराश किया है। यह सिर्फ २०० बेड की बिल्डिंग है जो शहर के बच्चों के इलाज के लिए बननी थी। कोर्ट ने ठेकेदार को एक मौका देते हुए १५ दिन का समय दिया है दो और लिफ्ट लगाने, केबल बिछाने, फायर एक्सॉरिगिंशर और खिड़की-शीशे लगाने का काम पूरा करने के लिए।

कोर्ट ने १५ दिन के लिए कंपनी का ब्लैक लिस्टिंग आदेश स्थगित कर दिया है। याचिका की सुनवाई २९अक्टूबर,२०२६ को दोपहर दो बजे होगी। उस दिन एम डी और ठेकेदार रोहित अवस्थी दोनों कोर्ट में हाजिर रहेंगे और किए गए प्रयासों का हलफनामा दाखिल करेंगे।

परीक्षा नियामक प्राधिकारीके सचिवको हाई डिस्क्रेके साथ पेश होनेका निर्देश

हाईकोर्टने कहा-जांचसे पहले यह जरूरी (विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी टेट २०१३ के आवेदन में संदिहास्यद सामग्री मिलने पर गंभीर रख अपनाने हुए परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज के सचिव को हाई डिस्क्रे के साथ पेश होने का निर्देश दिया है।न्यायमूर्ति श्रीमती मंजू रानी चौहान ने अरूण कुमार की याचिका पर यह आदेश दिया। दीपेन्द्र कुमार, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज ने टेबुलेशन रजिस्टर व डाउनलोडेड आवेदन फॉर्म और अरुण प्रताप सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी, संत कबीर नगर ने चयन कार्यवाही के रिकार्ड कोर्ट में पेश किए।कोर्ट ने पाया कि इसमें संदेह पैदा करने वाली सामग्री है।कहा कि मामले में उचित जांच की आवश्यकता है, लेकिन जांच से पहले सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज को अगली तारीख पर यूपी टेट २०१३ के फाइनल आवेदन वाली हाई डिस्क्रे के साथ कोर्ट में उपस्थित रहने का निर्देश दिया।और अगली सुनवाई की तिथि १७नवंबर तय की।

प्रदर्शन मार्गपर निर्माण कार्य छोड़कर ठेकेदार भागा
दारागंज में मां काली के प्रदर्शन मार्ग यानी निराला मार्ग पर चल रहे गोड पटरी का निर्माण अधूरा छोड़कर ठेकेदार भाग गया। जिसकी जानकारी होने पर क्षेत्रीय पार्षद अनुपमा पांडेय ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस गंभीर मामले को महापौर और नगर आयुक्त से दोषियों के खिलाफ जांच करा कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करायी जाय-गी।
कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि तीन दिन तक मां काली के रौद्ररूप का प्रदर्शन अभी होना है। मां काली प्रदर्शन को देखने के लिए सैलाब उमड़ गई। ऐसे में रोड पटरी का काम अधूरा होने से घायल होने का खतरा बना हुआ है। मांग की अविलंब आधे अधूरे कार्य को गुणवत्ता के साथ कराया जाय, जिससे लोगों के साथ कोई घटना न घटित हो।

पण्डालोंमें श्रद्धालुओंने की मां दुर्गाकी आराधना

नवरात्र के प्रथम दिन से ही नगर के कई दुर्गा पूजा पण्डालों में विराजीं मा जगदम्बा की आराधना श्रद्धाल कर रहे हैं। बुधवार को मां के कृष्णंडा स्वरूप का पूजन श्रद्धालुओं ने किया। इस दौरान मां की आराधना करते हुए श्रद्धालुओं ने परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। पण्डालों में स्थापित घट का श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन किया। महिलाओं ने मां को रिझाने के लिए मंगल



गीत गाये। बता दें कि रविवार को शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां दुर्गा की प्रतिमा कई जगह पूजा पण्डालों में स्थापित की गयी। प्रतिमा स्थापित होने के बाद मोहल्ले के लोगों ने पण्डालों में ही कलश भी स्थापित कर पूजन अर्चन किया। छोटा बघाड़ा, मुट्ठीगंज स्थित गुडमंडी, परेड, दारागंज स्थित कुशवाहा कालोनी सहित अन्य सजे पण्डालों में मां की आराधना की गयी। बता दें कि बारवारी कमेटियों की ओर से नगर में सजे दुर्गा पण्डालों में १६ से मां दुर्गा की प्रतिमाओं को स्थापना शुरू हो जायेगी।

११

पृष्ठ एक का शेघ

पीडीए...

विश्वकर्मा, महापौर अशोक तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, त्रिभुवन राम, सुनील पटेल, डॉ. अवधेश सिंह, विधान परिषद सदस्य धर्मेन्द्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूरम मौर्या, भाषया के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया, जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

जंतर-मंतरपर तिरंगा...

सूची से हटाने के केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि यह जगह देश के लोगों की है और इसे वापस हासिल किया जाएगा। मालूम हो कि जंतर-मंतर में बिना अनुमति प्रवेश करने के आरोप में सीजेपी नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास समेत 14 लोगों को हिरासत में लिया गया था। बाद में रांका और दास को पांच दिन को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, नेताओं ने बैरिकेड और गेट फांदकर परिसर में प्रवेश किया तथा तिरंगा लहराकर नारे लगाए। पुलिस ने इसे उनकी जमानत की शर्तों का उल्लंघन बताया। सीजेपी के संस्थापक अधिजीत दीपक ने राहुल गांधी के समर्थन के लिए आग्रह जताया। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल, तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी, डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन और शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने भी सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की है।

छात्रोंकी...

दबाया नहीं जा सकता। राहुल ने कहा कि इस विरोध में न धर्म का भेद है, न जाति का और न ही महिला-पुरुष का। उन्होंने छात्रों से घटनाओं के वीडियो सबूत के तौर पर सुरक्षित रखने और उन्हें भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि मामला समाप्त होने पर इन सबूतों के आधार पर प्रधानमंत्री मोदी, ज्ञानेश कुमार, अमित शाह या छात्रों पर हाथ उठाने वाले पुलिसकर्मियों सहित दोषियों को सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पुलिस पर कई आरोप भी लगाए।

दुनियाभर...

मोदी ने यह भी कहा कि दूसरे देशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों को नई गति मिली है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 14 से 16 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तहत अने वाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आइजीएनसी) कर रहा है। सम्मेलन में भारत की सांस्कृतिक विरासत और देश के दूसरे समाजों व सभ्यताओं के साथ उसके संबंधों पर चर्चा हो रही है। उद्घाटन सत्र में 'केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री का लिखित संदेश 'केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने पढ़कर सुनाया।

एसआईआर...

फैसलपुर पर आपत्ति जताई, जिन्हें कथित तौर पर उनकी मंजूरी के बिना लिया गया था। याचिका में %रिपोर्टर्स कलेक्टिव% की पड़ताल का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश में मरादाता सूची से नाम हटाने के लिए दाखिल 87,127 फॉर्म-7 आवेदनों में से 85,854 कथित तौर पर स्वचालित रूप से तैयार किए गए थे और उनमें नाम हटाने के कारणों का उल्लेख नहीं था। गोवा में भी 97 पात्र मरादाताओं के नाम बहाल नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया गया है। ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित 2023 के कानून के कथित उल्लंघन का मुद्दा भी उठाया है। याचिका में कहा गया है कि नए खुलासों से एसआईआर पर फैसले में भरोसा किए गए वैधानिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े होते हैं।

मुस्कान...

को पेश किया गया। जब अदालत ने मुस्कान की आंखों में आंखें डालकर सीधा सवाल दागा-%तुम अपने पति की हत्या की दोषी साबित हो चुकी हो, अपने लिए क्या सजा चाहती हो?इस सवाल पर जिस ओरत के हाथ अपने ही सुहाग की गर्दन काटते वक नौही कोंपे थे, वह सलाखों के पीछे थरथरा उठी। उसने ममता का झुझ चोला ओढ़ते हुए गिड़गिड़ाकर कहा-%मेरी दोनों बेटियां बहुत छोटी हैं, उनका ख्याल रखा जाए... मुझे कम से कम सजा दी जाए!% इतना कहते ही उसकी जुबान लड़खड़ा गई और वह सिर झुकाकर सनाटे में डूब गई।इसके बाद जब अदालत ने उसके हमदर्द और जुर्म के साक्षीदार साहिल से पूछा, तो उस खूंखार आशिक को हेकड़ी भी पूरी तरह हवा हो चुकी थी। साहिल ने भी कांपती आवाज में सिर्फ इतना ही कहा-%साहब, कम से कम सजा दीजिए। इसके बाद अदालत कक्ष में केवल खौफजदा सनाटा पसरा रहा। जिस प्रेमी जोड़े ने मिलकर एक इंसान की जिंदगी के टुकड़े-टुकड़े कर दिए, वे आज कानून के खोफ से कांप रहे थे। लेकिन अदालत में मरुतु दंड दिया..

ईडोने...

प्रावधानों से संबंधित थी। ये बट्टे खाते में डाले गए धन ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) और कैपेन आइलैंड्स की कंपनियों में किए गए विदेशी निवेश और अग्रिम से संबंधित थे।ईडी के अनुसार, रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड (जो बाद में आरपीएल में विलय हो गई) ने 2006 में 300 मिलियन डॉलर के विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड जुटाए। इसमें से 275 मिलियन डॉलर का निवेश उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सिंगापूर सहायक कंपनी रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड (आरएनआरएल-एस) में किया गया। आरएनआरएल-एस ने इन निधियों को डॉयचे बैंक (सुइस) एएएफ, जिनेवा में जमा किया। इन जमाओं का उपयोग ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में निगमित संस्थाओं को दिए गए ऋणों के लिए गिरवी के रूप में किया गया।जांच में सामने आया कि ये बीबीआई संस्थाएं रिलायंस अनिल अंबानी समूह द्वारा भारत से निर्यातित और प्रवर्धित की जा रही थीं। ईडी ने दावा किया कि मुखौटा व्यक्तियों ने समूह के निर्देशों के अनुसार कार्य किया। एजेंसी की जांच में यह भी सामने आया कि ऋण आय का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया गया। इसमें मॉरीशस स्थित विदेशी संस्थाओं के माध्यम से भारत में धन का अस्थायी गोलचक्कर शामिल है। ईडी ने आरोप लगाया कि इन निधियों से आरएएजी को लाभ हुआ और उन्हें भारत के बाहर रखा गया। ईडी के अनुसार, बीबीआई संस्थाएं डॉयचे बैंक द्वारा दिए गए ऋणों को चुकाने में विफल रहीं। लीपापोती के लिए दस्तावेज गढ़े गए। ये दस्तावेज यह दर्शाते के लिए थे कि आरएनआरएल-एस और आरपीएल की ईडोनेशियाई सहायक कंपनियों ने इन बीबीआई संस्थाओं को कथित तौर पर वास्तविक व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अग्रिम दिए थे। ईडी ने आरोप लगाया कि यह दस्तावेजोत्पन्न पिछली तारीख का था, जिसे वास्तविक व्यावसायिक लेनदेन के रूप में दर्शाने के लिए तैयार किया गया।

दिल्ली प्रदर्शन: विदेश मंत्रालय की यूएन को दो दूक, कहा-

भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं

नयी दिल्ली (आससे.)। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस मामले में जताई गई चिंताएं अनुचित और अस्वीकार्य हैं, क्योंकि यह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है।जायसवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय का रवैया चुनिंदा प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि दुनिया के अन्य हिस्सों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की कार्रवाई पर संगठन ने अपने सार्वजनिक बयानों में इसी तरह प्रतिक्रिया नहीं दी है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ऋअगर वे इसी रास्ते पर चलते रहे, तो इससे बहुपक्षवाद में लोगों का विश्वास कम होगा। साथ ही, इससे एक संघटन के रूप में उनकी विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बिम्स्टेक देशों के गृह मंत्रियों के संवाद के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत के गृह मंत्री ने इन बीबीआई संस्थाओं की ओर इसमें बिम्स्टेक के सभी सदस्य देशों ने हिस्सा लिया। जायसवाल के मुताबिक, बातचीत और बैठक के बाद दिल्ली घोषणा को भी स्वीकार किया गया। इसमें बिम्स्टेक देशों ने कई क्षेत्रों में सहयोग प्रभावशाली की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने बताया कि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के उपाय और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ सहयोग शामिल हैं।

नवरात्र विशेष

नवदुर्गा के नौ स्वरूपों को केवल अलग-अलग धार्मिक रूपों के रूप में देखना इस परंपरा की व्यापकता को सीमित कर देता है। प्रत्येक स्वरूप जीवन के किसी न किसी महत्वपूर्ण मूल्य से जुड़ा है। मां शैलपुत्री स्थिरता का संदेश देती हैं, ब्रह्मचारिणी तप और संयम का, चंद्रघंटा साहस का, कूष्मांडा सृजन और ऊर्जा का, स्कंदमाता ममता का, कात्यायनी न्याय का, कालरात्रि निर्भयता का, महागौरी शांति और पवित्रता का तथा सिद्धिदात्री आध्यात्मिक पूर्णता का प्रतीक हैं। इस तरह नवरात्र की नौ रातें केवल पूजा और उपवास तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि व्यक्ति को अपने भीतर मौजूद कमजोरियों और शक्तियों को पहचानने का अवसर भी देती हैं। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में शक्ति की उपासना का इतना व्यापक महत्व रहा है। दुर्गा पूजा का स्वरूप भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग दिखाई देता है, लेकिन इसके मूल में मां शक्ति के प्रति श्रद्धा समान रहती है। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा को भव्य सार्वजनिक उत्सव का रूप मिलता है। बड़े-बड़े पंडाल, कलात्मक प्रतिमाएं, रोशनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम इसके आकर्षण को बढ़ाते हैं। वहीं उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान मां के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, जागरण और कन्या पूजन की परंपरा प्रमुख रहती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थानीय परंपराएं इस पर्व को अपनी विशिष्ट पहचान देती हैं। यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी खूबसूरती है कि अलग-अलग भाषाओं, परंपराओं और रीति-रिवाजों के बावजूद आस्था के केंद्र एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। दुर्गा पूजा और नवरात्र का अंतिम संदेश विजयादशमी के साथ सामने आता है। मां दुर्गा द्वारा महिषासुर के वध की कथा और भगवान राम द्वारा रावण पर विजय की परंपरा, दोनों ही बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती हैं। यह पर्व व्यक्ति को याद दिलाता है कि अहंकार, हिंसा, अन्याय और अधर्म चाहे कितने भी शक्तिशाली क्यों न दिखाई दें, अंततः सत्य और धर्म की विजय होती है। विजयादशमी केवल रावण या महिषासुर के पुतले जलाने का दिन नहीं है। इसका व्यापक अर्थ



नारी शक्ति और सम्मान का संदेश

अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह और नकारात्मकता पर विजय प्राप्त करना भी है। इसी दृष्टि से दुर्गा पूजा आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का पर्व भी बन जाती है। मां दुर्गा की पूजा भारतीय परंपरा में नारी शक्ति को दिए गए महत्व को भी सामने लाती है। देवी को कभी मां, कभी योद्धा, कभी सृजनकर्ता और कभी ज्ञान एवं सिद्धि की शक्ति के रूप में पूजा जाता है। यह विविधता बताती है कि नारी की भूमिका किसी एक सीमा में बांधकर नहीं देखी जा सकती। दुर्गा पूजा के दौरान घरों और मंदिरों में देवी की आराधना करने के साथ कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर सम्मान देने की परंपरा भी इसी विचार को मजबूत करती है। हालांकि इस आध्यात्मिक भावना को वास्तविक जीवन में भी महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और

अधिकारों के रूप में अपनाना आवश्यक है। देवी की पूजा तभी सार्थक मानी जा सकती है, जब समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता का भाव व्यवहार में भी दिखाई दे। दुर्गा पूजा सामाजिक मेलजोल का भी बड़ा माध्यम है। सार्वजनिक पंडालों में अलग-अलग वर्गों और समुदायों के लोग एक साथ जुड़ते हैं। पूजा समितियां सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करती हैं और स्थानीय स्तर पर सामूहिक भागीदारी देखने को मिलती है। कई स्थानों पर जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन, चिकित्सा शिविर और अन्य सामाजिक गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं। इस तरह दुर्गा पूजा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करती है। यह पर्व लोगों को एक-दूसरे से जोड़ता है और सामूहिक उत्सव के

भी कठिनाइयां आए, धैर्य, तप, साहस, सकारात्मकता, कठूना, न्याय, निर्भयता और शांति के सहारे उनका सामना किया जा सकता है। मां दुर्गा के नौ स्वरूप इसी जीवन दर्शन को अलग-अलग रूपों में सामने रखते हैं। दुर्गा पूजा इसलिए केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की उस सोच का उत्सव है, जिसमें शक्ति को सृजन और संरक्षण से जोड़ा गया है। मां दुर्गा की आराधना हमें याद दिलाती है कि शक्ति का सर्वोच्च उद्देश्य केवल विजय नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना, कमजोरों की रक्षा, अन्याय का अंत और समाज में संतुलन कायम करना है। यही कारण है कि हर वर्ष नवरात्र और दुर्गा पूजा के अवसर पर करोड़ों श्रद्धालु पूरे विश्वास और भक्ति के साथ मां के चरणों में शीश झुकाते हैं और जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और शक्ति की कामना करते हैं।

पाकिस्तानमें दिखी

नवरात्रकी रौनक

भारत में नवरात्रि का त्योहार बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इन दिनों मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है और चारों ओर भक्ति का माहौल नजर आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी हिंदू समुदाय के लोग नवरात्रि का पर्व मनाते हैं? हाल ही में वहां से सामने आए एक वीडियो में त्योहार



की रौनक देखने को मिल रही है। मंदिरों को सजाया हुआ देखा जा सकता है। श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं और पूजा-अर्चना करते दिखाई दे रहे हैं। मंदिर परिसर में लोगों की मौजूदगी और उत्सव जैसा माहौल बना रहा है। नवरात्रि के मौके पर श्रद्धालु एक साथ इकट्ठा होकर पूजा करते और त्योहार मनाने नजर आ रहे हैं। लोगों को मंदिरों की सजावट और भक्तों की भीड़ ने भारत के त्योहारों की याद दिला दी। वहीं, पाकिस्तान में हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं और कई जगहों पर मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। दीपावली और नवरात्रि जैसे त्योहार भी समुदाय के लोग अपनी आस्था और परंपराओं के अनुसार मनाते हैं। भारत में नवरात्रि का त्योहार बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

गजब है शौक, ३९ साल से नहीं कटाई मूँछें



किसी को लंबे बाल रखने का शौक होता है, तो कोई अपनी दाढ़ी को अलग अंदाज में रखता है। लेकिन सिंधोरा काशी के रहने वाले राका का शौक सबसे अलग है। उनकी मूँछें करीब डेढ़ मीटर लंबी हैं और उन्होंने पिछले 39 साल से इन्हें नहीं कटवाया है। इतनी लंबी मूँछों को संभालकर रखना आसान नहीं है, लेकिन राका को इनसे खास लगाव है। यही वजह है कि वह रोज इनकी देखभाल करते हैं और इस पर हर महाने करीब एक हजार रुपये तक खर्च करते हैं। आज के समय में जहां लोग अपने लुक के हिसाब से मूँछों को छोटा रखते हैं, वहीं राका ने अपनी लंबी मूँछों को ही अपनी पहचान बना लिया है। उनकी मूँछें देखने वाले लोग भी हैरान रह जाते हैं। 39 साल से मूँछें नहीं कटवाने का उनका शौक आज भी जारी है। जैसे-जैसे मूँछों की लंबाई बढ़ी, उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी बढ़ती गई। इसके बावजूद राका अपनी मूँछों का पूरा ध्यान रखते हैं। राका बताते हैं कि लंबी मूँछों को संभालकर रखने के लिए उनकी नियमित देखभाल करनी पड़ती है।

गरबा-सिर्फ नृत्य नहीं, शक्ति आराधना का खास तरीका

नवरात्रि के नौ दिन गरबा खेला जाता है। वैसे तो ये एक तरह का डांस है, जिसमें महिला और पुरुष एक घेरा बनाकर बहुत ही व्यवस्थित ढंग से नाचते हैं

लेकिन वास्तव में गरबा सिर्फ एक डांस फॉर्म से काफी ज्यादा है. इसे मां भगवती की आराधना का हिस्सा माना जाता है।

नवरात्रि में मां दुर्गा को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए सिर्फ उपवास ही नहीं रखा जाता है, बल्कि डांस भी किया जाता है. गरबा ऐसा ही एक डांस फॉर्म है, जो गुजरात समेत देश के कई हिस्सों में किया जाता है। गरबा सिर्फ एक नृत्य नहीं, बल्कि मां दुर्गा यानी शक्ति की आराधना का खास तरीका है। इसमें महिलाएं और पुरुष एक साथ तालियां बजाते हुए गोल घेरे में डांस करते हैं, मान्यता है कि गरबा का गोल घेरा जीवन के चक्र और देवी शक्ति की निरंतरता का प्रतीक है. इसके केंद्र में रखा मिट्टी का दीपक मां की दिव्य शक्ति और आत्मा का प्रतीक माना जाता है। गुजरात में गरबा की परंपरा सदियों पुरानी है, लेकिन समय के साथ इसका स्वरूप बदलता गया है. आज यह धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक पहचान का भी बड़ा हिस्सा बन चुका है। आइए जानते हैं कि गरबा की शुरुआत कैसे हुई

हीरे जैसा कीमती है ये दुर्लभ पौधा, कहलाता है कलयुगकी संजीवनी

भारत में कई पेड़-पौधे अब विलुप्त होने की कगार हैं। ऐसा ही एक दुर्लभ पौधा है जो दस बीमारियों को कंट्रोल करने में सहायक है। इसे कलयुग की संजीवनी कहा जाता है। अंग्रेजी में इसे मैजिक स्लेट ट्री है. माना जाता है कि इस पेड़ की छाल से घाव बहुत तेजी से भरता है। आयुर्वेद-लोक चिकित्सा में लंबे समय से इसका उपयोग किया जाता रहा है। पुराने जमाने में इसकी लकड़ी से कटोरे बनाए जाते हैं। दूध प्राकृतिक तरीके से दही बन जाता है। इसके पत्ते का अर्क बहुत उपयोगी माना



जाता है. इसका नाम दहिमन है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि दहिमन पेड़ की पत्तियां पलाश से मिलती-जुलती होती हैं. तना मजबूत होता है। इसकी छाल बहुत ही औषधीय होती है. छाल के काढ़े का इस्तेमाल नशा उतारने में होता है। छत्तीसगढ़ के जंगलों में यह पौधा बहुत पाया जाता था लेकिन अब इनकी संख्या सिर्फ 10 ही बताई जाती है। इस पेड़ को लेकर कई नए शोध हो रहे हैं. बताया जाता है कि इसमें एंटी कैसर, एंटी बीपी जैसे कई विशेष गुण हैं। दिल्ली-हिमाचल में भी यह पौधा पाया जाता है. अब इस पौधे के संरक्षण के लिए कई लोग पर्यावरणविद प्रयास कर रहे हैं। इस दुर्लभ प्लांट के बारे में कहा जाता है कि यह गंभीर बीमारियां को ठीक करने में मदद करता है. विदेश में भी इसकी मांग बढ़ी है।

और नवरात्रि में गोल घेरा बनाकर नाचने का क्या महत्व है.गरबा गुजरात का पारंपरिक लोकनृत्य है, जिसे खासतौर पर नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा की पूजा के दौरान किया जाता है. गरबा शब्द संस्कृत के



‘गर्भदीप’ से जुड़ा माना जाता है. इसका संबंध मिट्टी के उस घड़े से है, जिसमें छोटे-छोटे छेद होते हैं और अंदर दीपक जलाया जाता है.इस घड़े को मानव शरीर और इसके अंदर जलने वाले दीपक को आत्मा का प्रतीक माना जाता है। गरबा के माध्यम से देवी शक्ति की आराधना की जाती है। पहले महिलाएं घरों और मंदिरों के आंगन में मां की स्थापना करती थीं, आरती

मां की शक्ति को आराधना करने के साथ गोल घेरे में घूमते हैं। इस दौरान वे तालियां बजाते हैं और संगीत मिलाते हैं। गोल घेरा जीवन के निरंतर चलने वाले चक्र और शक्ति की निरंतरता से जोड़कर देखा जाता है. नृत्य के दौरान हर व्यक्ति अपनी धुरी पर घूमता है, लेकिन बड़े घेरे का हिस्सा बना रहता है. यह सामूहिकता और आपसी तालमेल को भी दर्शाता है. गरबा की शुरुआत आमतौर पर धीमी गति से होती है। जैसे-जैसे ढोल और संगीत की लय तेज होती है, नृत्य की गति भी बढ़ती जाती है. गरबा की शुरुआत कब हुई, इसकी कोई निश्चित तारीख उपलब्ध नहीं है. नृत्य विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी परंपरा गुजरात के राजघरानों के साथ-साथ किसानों और ग्रामीण समुदायों से भी जुड़ी रही है। लोक

मान्यताओं में गरबा और रास का संबंध भगवान कृष्ण के समय से भी जोड़ा जाता है। गुजरात में अंबाजी शक्तिपीठ की स्थापना के बाद देवी की आराधना में गरबा का महत्व और बढ़ा। पहले गरबा मुख्य रूप से महिलाओं तक सीमित था. वे परिवारों और समुदायों में गीतों और नृत्य की परंपरा को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाती थीं। बाद में पुरुष भी इसमें शामिल होने लगे।

गाली थीं और फिर गोल घेरा बनाकर गरबा करती थीं.गरबा में नर्तक एक-दूसरे के साथ गोल घेरे में घूमते हैं। इस दौरान वे तालियां बजाते हैं और संगीत मिलाते हैं। गोल घेरा जीवन के निरंतर चलने वाले चक्र और शक्ति की निरंतरता से जोड़कर देखा जाता है. नृत्य के दौरान हर व्यक्ति अपनी धुरी पर घूमता है, लेकिन बड़े घेरे का हिस्सा बना रहता है. यह सामूहिकता और आपसी तालमेल को भी दर्शाता है. गरबा की शुरुआत आमतौर पर धीमी गति से होती है। जैसे-जैसे ढोल और संगीत की लय तेज होती है, नृत्य की गति भी बढ़ती जाती है. गरबा की शुरुआत कब हुई, इसकी कोई निश्चित तारीख उपलब्ध नहीं है. नृत्य विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी परंपरा गुजरात के राजघरानों के साथ-साथ किसानों और ग्रामीण समुदायों से भी जुड़ी रही है। लोक

पुराने दौरके रिश्तोंसे लें सीख

आजकल अपनी पसंद से शादी करना यानी लव मैरिज कोई नई बात नहीं है। हालांकि, यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि ऐसे रिश्तों में भी अक्सर दारों, धोखे और तलाक की बातें सामने आने लगी हैं। आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? लव मैरिज का सीधा-सा अर्थ है कि आपने किसी को सच्चे प्रेम के कारण अपने जीवन में शामिल किया है। जब आपने अपनी ही मर्जी से किसी का हाथ थामा है, तो फिर बीच सफर में उसे छोड़ने या किसी और की तरफ आकर्षित होने का क्या तुक है? अगर आप लव मैरिज के बाद तलाक या धोखे के बारे में सोचते हैं, तो आप बिल्कुल गलत रास्ते पर हैं और आपको खुद को सुधारने की सख्त जरूरत है। एक वक्त था जब दूल्हा-दुल्हन शादी की रस्मों के दौरान ही पहली बार एक-दूसरे को ठीक से देखते थे। इसके बावजूद, उनका रिश्ता ताउम्र बिना किसी खटास के बेहद खूबसूरती से चलता था और परिवार भी फलता-फूलता था। अगर आप रिश्ते में धर्म और ईमानदारी का पालन करेंगे, तो परिवार हमेशा खुशहाल रहेगा। हालांकि, अगर आप गलत रास्ता चुनेंगे, तो रिश्ते का टूटना तय है। अगर आप किसी के

साथ रिश्ते में हैं, तो कुछ खास बातों पर गौर करके आप एक धोखेबाज ईंसान को आसानी से पहचान सकते हैं, क्या आपका साथी अब पहले की तरह आपको समय नहीं देता? क्या



वह अब आपकी बातों में कम दिलचस्पी लेता है या छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाता है? अगर हां, तो इसका मतलब हो सकता है कि अब उसका ध्यान कहीं और है। अगर आपका साथी आपसे अपनी निजी जिंदगी की बातें शेयर करने से बचता है, अपना फोन आपसे छिपाता है या आपके सीधे सवालों को घुमा-फिरा देता है, तो यह खतरे की घंटी है। एक पक्के रिश्ते की नींव हमेशा

ट्रान्सपेरेंसी पर टिकी होती है। जो ईंसान आपकी भावनाओं को अहमियत न दे, हर बात पर आपको ही गलत ठहराए और आपकी इज्जत न करे, वह कभी एक अच्छा

जीवनसाथी नहीं बन सकता। ऐसे लोग अक्सर रिश्ते में सच्चे नहीं होते और भविष्य में दुख का कारण बनते हैं। लंबे समय से साथ होने के बाद भी अगर आपका पार्टनर रिश्ते को एक पक्का नाना देने से घबराता है, तो सावधान हो जा। इसका सीधा अर्थ है कि वह इस रिश्ते को लेकर पूरी तरह से तैयार नहीं है और मौका मिलने पर आसानी से पीछे हट सकता है।

खूनी व बादी बवासीर में बेहद असरकारक

अर्शवेदा

सुविचार

खुद को प्रेरित करें, क्योंकि कोई और आपकी मदद नहीं कर सकता।

• 100% आयुर्वेदिक • सुरक्षित • असरदार

Customer Care : 9628078000

www.rphealthgroup.com

ARSHVEDA Capsule

AN AYURVEDIC MEDICINE FOR PILES

Power of 9 Herbs

ARSHVEDA PILES

AN AYURVEDIC MEDICINE FOR PILES

Power of 9 Herbs

Also available at

TATA 1mg

amazon

Flipkart

अपनी जिंदगी पूर्णता का भाव

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

जब जीवन के प्रति आपकी दृष्टि व्यापक और संदर्भ विशाल हो जाता है, तब आप तुलना करना छोड़ देते हैं। तुलना करना औचित्यहीन और निरर्थक है। सदैव कोई न कोई आपसे आगे होगा और कोई आपसे पीछे। यह दुनिया हमें प्रतिस्पर्धी लगती है, किन्तु यह केवल सापेक्षिक है। जैसे ट्रेन सभी डिब्बों को गति देती है, वैसे ही एक ही दिव्य शक्ति पूरे संसार और मानव जाति को संचालित कर रही है। यह सर्वथा अप्रासंगिक है कि कौन कहीं खड़ा है। सब आगे बढ़ेंगे और सबको उतरने का अवसर मिलेगा। अपने सहकर्मियों और आस-पास के लोगों से अपनी तुलना कदापि न करें। यदि यह आवश्यक लगे, तो स्वयं की तुलना इतिहास और विश्व के महान व्यक्तित्वों एवं प्रतिमानों से करें ताकि आप देख सकें कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ कैसे दे सकते हैं। यह आपके लिए सहायक सिद्ध होगा। यह आपको निरंतर प्रेरित रखेगा। हर किसी के जीवन में अच्छे और बुरे क्षण आते हैं। जिन्हें आप बहुत भाग्यशाली मानते हैं, उनके जीवन में भी दुःखद क्षण आए हैं और जिन्हें आप दुर्भाग्यशाली मानते हैं, उनके जीवन में भी सुखद क्षण आए हैं। जीवन में घट रही इन घटनाओं को अवश्यंभावी मानकर प्रगति पथ पर अग्रसर रहना चाहिए। हमारे अंतःकरण में ऐसी प्रवृत्ति निहित है कि हम उस व्यक्ति से ईर्ष्या करने लगते हैं, जो हमसे श्रेष्ठ कार्य कर गया हो। अपने ही पिछले प्रदर्शन से तुलना करना उत्तम है, यह स्वस्थ है। लेकिन यदि आप दूसरों से तुलना करने लगते हैं, तो अधिक संभावना है कि आप ईर्ष्या महसूस करेंगे। ईर्ष्या का कारण आप अपने गलत कार्यों को भी उचित सिद्ध करने लगते हैं, क्योंकि ईर्ष्या आपकी विवेक शक्ति पर आवरण बन जाती है। यह आपकी बुद्धि को धुंधला कर देती है। ईर्ष्या से मुक्त होकर, समभाव के साथ अपना कार्य करें। जब आप सफलता या असफलता का विचार न करके अपना ध्यान कार्य पर केंद्रित करते हैं, तभी आप अपना 100 प्रतिशत दे पाते हैं। अक्सर परिणाम की चिंता ही आपको अपना पूरा प्रयास करने से रोकती है। यदि आप किसी खेल प्रतियोगिता में भाग लें और आपको विजय या पराजय का पूर्वानुमान हो, तब आप पूरा मन लगाकर नहीं खेलेंगे। यदि आप विजय या पराजय की चिंता नहीं करते हैं, परिणामों का चिंतन नहीं करते हैं और अपना 100 प्रतिशत देते हैं, तब वह वास्तविक अर्थों में खेल होता है और उसमें सच्चा आनंद होता है। योगी का अर्थ है - जो हर कार्य को पूर्णता के साथ करता है। वह हर कार्य को पूर्णता के भाव से करता है, क्योंकि उसका मन समभाव में स्थित होता है। जब आप अपने कार्य को एक खेल की तरह लेते है तब आप परिणाम से अप्रभावित रहते है।

एक छोटा सा काम किसीकी जिंदगी बदल सकता है-रश्मिका मंदाना

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी के बाद पहली बार फिल्म रणबाली में नजर आने वाले हैं। फिल्म का सभी को बेसद्री से इंतजार है। फिल्म में रश्मिका जयम्मा का मजबूत किरदार निभाने वाली हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि इस किरदार ने और भारत के सबसे काले अध्यायों में से एक फिल्म ने उन्हें काफी इंस्पायर किया है। रणबाली में जयम्मा के किरदार से रश्मिका मंदाना इतनी इंस्पायर हुई कि उन्होंने रियल में 400 परिवार की जिम्मेदारी उठाई। एक्ट्रेस का यह कदम जरूरतमंद परिवारों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि वह वैसे इन चीजों को निजी रखना ही पसंद करती हैं, लेकिन वह लोगों के साथ ये जानकारी इसलिए शेयर कर रही हैं, क्योंकि वह चाहती हैं कि जैसे वो रणबाली में अपने जयम्मा के किरदार से इंस्पायर हुई हैं, ठीक वैसे ही लोग भी इससे प्रेरित हों। एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने 400 परिवारों को गोद लिया है। मैं तीन महीनों तक इन परिवारों की मदद करना चाहती हूँ और आगे अगले एक साल तक इस सिलसिले को जारी रखना चाहती हूँ। मुझे उम्मीद है कि इससे उन परिवारों का किराने का पैसा बचेगा और वह उससे बचाव करके अपने भविष्य को बेहतक बना पाएंगे। रश्मिका मंदाना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, आपकी एक छोटी सी की गई दया किसी की जिंदगी बदल सकती है। आपको नेक काम करने के लिए कुछ बड़ा करना ही जरूरी नहीं है। आइए हम सब एक छोटी सी पहल से शुरुआत करें। यकीन मानिए, इन चेहरों की मुस्कान मेरे लिए उन तमाम रातों के जागने, चोटों, संघर्षों, दर्द, आंसुओं और उन सभी मुश्किलों से कहीं ज्यादा कीमती है, जिनसे मुझे अपने कामकाजी वर्षों के दौरान गुजरना पड़ा है। यह अनमोल है। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना स्टारड फिल्म रणबाली की बात करें तो यह मूवी 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में विजय-रश्मिका के अलावा अर्नुनोल्ड वोरेल् भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। राहुल संकृत्यान के निर्देशन में बनी मूवी को तेलुगू के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा।

